06 अप्रैल 2025

रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सभी को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

भोजपुरिया कैलेंडर का लोकार्पण, राज्यपाल बोले- यह कैलेंडर नहीं, भारतीय संस्कृति का उत्सव है 2

तेजस्वी का ऐलान... हमारी सरकार बनी तो वक्फ संशोधन बिल को कूड़ेदान में फेंक देंगे

सियासी घमासान

केटी न्यूज/पटना

वक्फ संशोधन बिल पर बिहार में सियासी घमासान जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस बिल का विरोध किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार, जनता दल यूनाईटेड, भारतीय जनता पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि जो लोग मुसलमानों का हितैषी होने का ढोंग करते हैं उनका पोल खुल गया है। बिहार में जब हमारी सरकार बनेगी तो वक्फ संशोधन विधेयक को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे और इसे कुड़ेदान में फेंक दिया जायेगा। वक्फ संशोधन विधेयक असंवैधानिक बिल है और इसमें संविधान का आर्टिकल 26 का उल्लंघन किया गया है। भाजपा और आरएसएस लगातार संविधान विरोधी कार्य कर रही है और देश के लोगों को बांटना चाहती है। इस तरह का कार्य वो अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए कर रही है।

तेजस्वी बोले... बिहार के मुख्यमंत्री अचेता अवस्था में हैं

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री अचेता अवस्था में हैं। मुख्यमंत्री सहित जो स्वयं को सेक्युलर लीडर कहते रहे हैं और जो सेक्युलर पार्टी खुद को कहती रही है उसका पदार्फाश हो गया। ये लोग विचार धारा की राजनीति नहीं बल्कि कहीं न कहीं नरेन्द्र मोदी के पक्ष में खड़े होकर उनका विश्वास जीतने में लगे रहे। लेकिन ऐसे लोगों को समझना चाहिए कि मुसलमानों का हितैषी होने का ढोंग करने से कुछ नहीं होगा। जिस तरह से 65 प्रतिशत आरक्षण व्यवस्था को भाजपा ने रूकवाया उसके खिलाफ पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित, आदिवासी को दीर्घकालीन लाभ के लिए सोचना चाहिए और ऐसे मामलों में इस बात को समझना चाहिए कि भाजपा दलित, पिछड़ा, आदिवासी, अतिपिछड़ा के विरोध की राजनीति करती है और उनके हक और अधिकार को रोकना चाहती है।

तेजस्वी यादव ने कहा किमुसलमानों को खुलेआम गाली देने वाले और संसद में मुसलमानों को मुल्ला कहने वाले, मुसलमानों के हित की बात कब से करने लगे जबकि प्रधानमंत्री कपड़ों से पहचानने, घुसपैठिये, ज्यादा बच्चा पैदा करने वाले, मंगल सूत्र छीनने वाले और मुजरा जैसी बातें करके ये बता दिया है कि भाजपा की सोच क्या है और जो लोग उनके साथ खड़े हैं वो कहीं न कहीं मुसलमानों के हितों का नुकसान कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाईटेड अब भाजपा के अल्पसंख्यक विरोधी प्रकोष्ठ के तौर पर काम कर रही है।

लालूजी ने तेजस्वी को सीएम बनने लायक नहीं छोड़ा है: सम्राट

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बयान पर अब बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कड़ा पलटवार किया है। सम्राट चौधरी ने कहा, बेचारे की सरकार बनेगी ही नहीं, क्योंकि उनके पिता लालू यादव ने उन्हें उस लायक ही नहीं छोड़ा। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव को पहले यह साफ करना चाहिए कि उनके परिवार ने बिहार को किस हाल में छोड़ा। उन्होंने लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका शासन भ्रष्टाचार और घोटालों से भरा रहा है, जिससे राज्य की जनता को नुकसान हुआ। सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक संसद से पारित हो चुका है और यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। इसे बहुमत का समर्थन प्राप्त है और यह जनता के कल्याण के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल भ्रम फैलाने और अल्पसंख्यक समुदाय को भड़काने का प्रयास कर रहा है।

राजनीतिक स्थिति पर तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी केवल नींद में मुख्यमंत्री बनते हैं, वास्तविकता में उन्हें जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब जागरूक हो चुकी है और परिवारवाद की राजनीति से ऊपर उठकर विकास को प्राथमिकता दे रही है। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि लालू यादव ने जिस प्रकार से राज्य को पिछड़ेपन की ओर ढकेला, उसकी भरपाई आज की सरकार कर रही है।

गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में हक: राज्यपाल

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। प्रोटेस्ट करने का अधिकार है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है। गर्वनर पटना में पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 118वीं जयंती पर राजकीय समारोह में पहुंचे थे।

राज्यपाल ने कुरान की आयत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें दो प्रकार के जरूरतमंदों- फकीर (मुस्लिम) और मिस्कीन (गैर मुस्लिम) का जिक्र किया गया है। इसका अर्थ है कि वक्फ से लाभान्वित होने का अधिकार हर जरूरतमंद को है। धर्म के आधार पर नहीं। पटना में वक्फ की बहुत प्रॉपर्टी है, लेकिन आप मुझे बताइए कोई एक संस्था है जो गरीब के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ की अवधारणा को मुस्लिम देशों में भी कभी गैर-इस्लामी माना गया, लेकिन 1913 में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा पेश एक्ट ने इसे वैधता दी। अब आप बताइए, इसकी दिशा क्या होनी चाहिए।

खबरें फटाफट

वक्फ बिल का समर्थन करने पर शाहनवाज हुसैन को मिली धमकी

पटना। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने दावा किया है कि जब से उन्होंने वक्फ बिल का समर्थन किया है, उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं, सोशल मीडिया पर उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। आजतक से बात करते हुए शाहनवाज ने कहा कि मुझे कई धमकियां मिली हैं, लेकिन मैं किसी भी ऐसी धमकी से डरने नहीं वाला हूं। गालियों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है।
बता दें कि विपक्ष इस बिल को मुस्लिमों के खिलाफ मानता है। इसी वजह से जेडीयू से भी कई मुस्लिम नेताओं ने यही बोलकर पार्टी भी छोड़ दी है। लेकिन सरकार का लगातार कहना है कि यह बिल किसी का अधिकार छीनने के लिए नहीं आया है, बल्कि इसके जरिए पारदर्शिता को और ज्यादा बढ़ाने का काम हुआ है। यह बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पारित हो चुका है। अगर लोकसभा में सहयोगियों के दम पर बहुमत हासिल हुआ तो राज्यसभा में भी मनोनीत सदस्य और कुछ दूसरी पार्टियों के न्यूट्रल स्टैंड ने काम आसान कर दिया। अब राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही वक्फ संशोधन बिल एक कानून का रूप ले लेगा।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा दौरे पर गए गृहमंत्री अमित शाह ने की अपील

नक्सली भाइयों से मेरा अनुरोध है कि वे हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल हों

◆ बोले- जब भी कोई नक्सली मारा जाता है, तो किसी को खुशी नहीं होती है

एजेंसी/रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा दौरे पर थे। उन्होंने शनिवार को आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम बस्तर पंडुम के समापन समारोह का जश्न मनाने के लिए छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की यात्रा के दौरान माओवादियों को भाई कहकर संबोधित किया और उनसे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध किया। उन्होंने नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र और पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की अपनी समयसीमा भी दोहराई।

अमित शाह ने कहा, वह जमाना चला गया जब बस्तर में गोलीबारी और विस्फोट होते थे। आज भी जो हथियारबंद हैं और जो हथियारबंद नहीं हैं, उन सभी नक्सली भाइयों से मेरा अनुरोध है, अपने हथियार छोड़ें और मुख्यधारा में शामिल हों। आप लोग हम में से एक हैं। जब भी कोई नक्सली मारा जाता है, तो किसी को खुशी नहीं होती है। लेकिन यह क्षेत्र विकास चाहता है। अमित शाह ने कहा कि जो विकास 50 साल में नहीं हो सका, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच साल में बस्तर को वह सब देना चाहते हैं। लेकिन यह तभी हो सकता है जब बस्तर में शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, हम अपनी चिंता करें। उन्होंने कहा कि मां का स्वास्थ्य, आदिवासी युवाओं में कुपोषण नहीं है, हर गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं हैं, तहसीलों में अस्पताल हैं और हर घर को हर महीने सात किलोग्राम चावल मिलता है, आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा है। यह तभी हो सकता है जब हम बस्तर को नक्सल मुक्त बनाएंगे।

अमित शाह ने कहा, यह (नक्सली) प्रचार है कि हम आपके युवाओं को मारते हैं। मेरे भाइयों और बहनों, कोई भी मारना नहीं चाहता। आपने जो भी काम (हिंसा) किया है, अपने हथियार छोड़ें और मुख्यधारा में आएं और हम आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। लेकिन आप बंदूक का इस्तेमाल करके बस्तर के विकास को नहीं रोक सकते। जो लोग अभी भी हथियार रखना चाहते हैं, उनसे सेना निपटेगी। अगले मार्च तक पूरा देश नक्सलियों से मुक्त हो जाएगा।

नक्सल मुक्त गांवों को मिलेगा एक करोड़ रु. का विकास कार्य

अमित शाह ने कहा कि जो भी गांव खुद को नक्सल मुक्त घोषित करेगा, उसे एक करोड़ रुपये का विकास कार्य दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ह्लअपने गांव के सभी लड़ाकों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहें। आज, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली समझते हैं कि विकास के लिए हमें कंप्यूटर की जरूरत है, बंदूक की नहीं और हमें पेन की जरूरत है, आईईडी या बम की नहीं। 2025 में तीन महीनों में 521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और पिछले साल 881 ने आत्मसमर्पण किया।

बस्तर में जवानों से मिल की हौसला अफजाई

बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ कार्य करने वाले जवानों से अमित शाह ने मुलाकात की। उनके साथ हाई टी कार्यक्रम में शामिल हुए। अमित शाह ने जवानों के साथ सीधा संवाद किया। जवानों से मुलाकात कार्यक्रम में बस्तर फाइटर, कोबरा बटालियन, डीआरजी, एसटीएफ और पुलिस बल के जवान शामिल हुए। उन्होंने अपने ऑपरेशन की जानकारी दी और क्षेत्र में शांति के प्रयास किए शासन की नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम के उपरांत केंद्रीय गृहमंत्री ने जवानों के हाई टी में शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि बस्तर संभाग एक समय लाल आंतक से जाना जाता था आज यहां जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत से सम्बंधित बस्तर पण्डुम कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। यह जवानों के साहस और पराक्रम के कारण ही संभव हो सका है। आज बस्तर के अधिकांश क्षेत्र लाल आंतक से मुक्त हो गए हैं और विकास की ओर अग्रसर हैं- कहा कि हमने सूचना तंत्र को मजबूत किया है ताकि तत्काल सूचनाएं मिल सकें। नक्सल हिंसा में हमारे कई जवान घायल होते हैं उनके लिए विशेष अस्पताल की स्थापना रायपुर और जगदलपुर में की जाएगी।

25 करोड़ की ड्रग्स के साथ युगांडा की महिला गिरफ्तार

लखनऊ एयरपोर्ट से सुबह में हुई गिरफ्तारी

एजेंसी/लखनऊ

अमौसी एयरपोर्ट पर युगांडा निवासी विदेशी महिला नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार की गई है। कस्टम की ओर से की गई इस कार्रवाई में 20 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (ड्रग्स) बरामद की गई है। इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 25 करोड़ के करीब है। सूत्रों का कहना है कि कस्टम विभाग को केंद्रीय खुफिया एजेंसी के जरिए इस मामले की पहले ही भनक लग गई थी। बता दें कि करीब एक महीने पहले थाईलैंड से आई महिला यात्री के पास से करीब 25 करोड़ रुपये कीमत की हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हो चुकी है।

सूत्रों ने बताया कि शनिवार सुबह 5:45 बजे दुबई से आने वाली उड़ान (एफजेड- 443) एयरपोर्ट पहुंची। स्कैनिंग के दौरान महिला यात्री के बैग में संदिग्ध वस्तु नजर आई। कस्टम अधिकारियों ने महिला की जांच अलग से की। बैग से हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई। पूछताछ में महिला संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। महिला यात्री की पहचान अफ्रीकी देश युगांडा के एम्बेल प्रांत की अनीताह नाबाफू वामुकूता बताई जा रही है। कस्टम अधिकारी ड्रग्स को जब्त कर महिला को कस्टम मुख्यालय ले गए। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। साथ ही दुबई व थाईलैंड से लखनऊ आने के बाद जिस नेटवर्क को ड्रग्स हैंडओवर करनी थी, उसे भी खोजा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के मामले पकड़े जाते रहे हैं, लेकिन अब ड्रग्स की तस्करी सामने आ रही है। अमौसी एयरपोर्ट पर उतरने के बाद तस्करी के माल की पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी सहित एनसीआर तक में आपूर्ति होती है।

क्या होती है हाइड्रोपोनिक वीड: हाइड्रोपोनिक वीड को पैदा करने के लिए मिट्टी की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसे पानी के जरिये तैयार किया जाता है। यह अन्य ड्रग्स के मुकाबले काफी महंगी बिकती है।

आगरा में चार दुकानें गिरीं, दो लोगों की मौत

एजेंसी/आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में शनिवार दोपहर बाद अचानक 4 दुकानें भरभरा कर गिर गईं। इस हादसे में दो लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई, जबकि पुलिस के एक जवान सहित 7 लोग इस हादसे में घायल हो गए। बताया गया कि एक पुलिसकर्मी भी राहत कार्यों के दौरान घायल हो गए। सिकंदरा इलाके में चार दुकान गिरने से मलबे में कुल सात लोग दबे थे, वहीं दो लोग पास में खड़े होने की वजह से हादसे की चपेट में आ गए। इन नौ लोगों में से मलबे में दबे दो लोगों की मौत हुई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत बचाव कार्य के दौरान थाना प्रभारी जगदीशपुरा आनंदवीर के पैरों में चोट लगने से वो घायल हुए हैं।

इस हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोग मलबा हटाने में जुटे और पुलिस और प्रशासन को भी हादसे की सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंचे प्रशासन ने मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया।

जानकारी के अनुसार यह हादसा आगरा के थाना सिकंदरा सेक्टर-4 पुलिस चौकी आवास विकास के पास हुआ। बताया गया कि आगरा के सिकंदरा इलाके में आवास विकास की 4 दुकानें हैं। इनमें रिनोवेशन का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक 4 दुकानें भरभरा कर गिर गईं।

केंद्र ने मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों से की बैठक

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर में फैली अशांति ने पूरे देशभर की सियासत को गर्म कर रखा है। इस हिंसा पर विराम लगाने के लिए केंद्र सरकार अब एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। शनिवार को केंद्र ने मणिपुर में विवादित मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सुलह कराने पर भी जोर दिया गया। बता दें कि यह बैठक मई 2023 से शुरू हुए दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का समाधान खोजने के लिए आयोजित की गई थी। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मैतेई और कुकी समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना था, ताकि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल की जा सके।

आईआईटी बीएचयू में आयोजित समारोह को बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए

एजेंसी/वाराणसी

वाराणसी दौरे पर पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आईआईटी बीएचयू में एक समारोह को संबोधित करते हुए हिंदुओं की एकजुटता का आह्वान किया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। संघ इसी लक्ष्य के साथ काम कर रहा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस चाहता है कि समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय एक साथ और मिलकर काम करें। संघ प्रमुख अपने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान शाखा लगाने के साथ काशी के प्रुद्धजनों से मुलाकात और स्वयंसेवकों से संवाद भी कर रहे हैं। भागवत ने आईआईटी-बीएचयू के एनसीसी ग्राउंड में मौजूद 100 से ज्यादा छात्रों की विद्यार्थी शाखा को भी संबोधित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख ने छात्रों के अपने छात्र जीवन के दौरान अपना दायित्व निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना है। हिंदू समुदाय को मजबूत करने के साथ ही हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है।

एआई का उपयोग समाज में सकारात्मक कार्यों के लिए हो

संघ प्रमुख ने कहा कि भारतीय तकनीकी राष्ट्रवाद विश्व को दिग्दर्शन देगा। हमें रोजगार का सृजन करना है। हम राष्ट्र की भावना जागृत करने वाली तकनीक बनाएं। एआई का उपयोग समाज में सकारात्मक कार्यों के लिए हो। भारतीय शिक्षा प्रणाली में अध्यात्म और विज्ञान दोनों जुड़ा है। भारतीय वैज्ञानिक विज्ञान के क्षेत्र के साथ ही कृषि के क्षेत्र के उत्थान के लिए निरंतर काम करें।

भोजपुरिया कैलेंडर का लोकार्पण, राज्यपाल बोले- यह कैलेंडर नहीं, भारतीय संस्कृति का उत्सव है

केटी न्यूज/पटना

राजभवन, पटना के ऐतिहासिक दरबार हॉल में शनिवार को एक सांस्कृतिक क्षण को जीवंत करते हुए भोजपुरिया कैलेंडर का भव्य लोकार्पण माननीय राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके उपरांत दीप प्रज्वलन कर राज्यपाल ने विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर कैलेंडर के निमार्ता एवं विश्व रिकॉर्ड होल्डर चित्रकार संजीव सिन्हा, समाजसेवी धीरज कुशवाहा, संभावना आवासीय उच्च विद्यालय, आरा के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेन्द्र, प्राचार्या डॉ. अर्चना कुमारी, तथा कला, साहित्य और भोजपुरी भाषा के अनेक सशक्त प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कैलेंडर का अवलोकन करते हुए राज्यपाल भावुक हो उठे। उन्होंने पेंटिंग में बहराइच का नाम देखकर कहा, यह मेरा क्षेत्र है, मेरा नाम भी इसमें अंकित है। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत की सांस्कृतिक विविधता और भाषाई समरसता की सराहना करते हुए कहा, यह केवल भोजपुरी का नहीं, भारत की विविधता का उत्सव है। हम विविधताओं को अपनाते हैं, यही हमारी विशेषता है। उन्होंने भारत की प्राचीन सभ्यता और शक संवत, वेदों की वैज्ञानिकता, समय की चक्रीय अवधारणा और पंचांग की विशिष्टता पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मान और सांस्कृतिक समर्पण इस मौके पर राज्यपाल को अंगवस्त्र से सम्मनित सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय आरा के निदेशक डॉ कुमार द्विजेन्द्र ने किया।

वही चित्रकार संजीव सिन्हा ने उन्हें भोजपुरिया पेंटिंग से युक्त एक विशेष अंगवस्त्र, एक सम्मान पत्र, भोजपुरी पेंटिंग, भोजपुरी की किताब लबेद व गीतन के फुलवारी और ब्रोच देकर किया। वही धीरज कुशवाहा को भी भोजपुरिया अंगवस्त्र और सम्मान पत्र और ब्रोच देकर चित्रकार ने सम्मानित किया। इस मौके पर कवि, साहित्यकार व उपन्यासकार निलय उपाध्याय ने भोजपुरी कैलेंडर पर बोलते हुए कहा कि दुनिया को 1-9 अंक देने वाला भोजपुर क्षेत्र से हुआ। मुझे खुशी है कि कैथी, भोजपुरी का जनक वाला क्षेत्र आज भोजपुरिया कैलेंडर को लेकर प्रस्तुत है जो एक नए बहस के लिए तैयार है। आज जिस दौर में प्रकृति खतरे में है, भोजपुरी की गिरती स्तर के बावजूद भोजपुरी संस्कृति को सहेजने का यह कार्य जिस ऐतिहासिक स्थल पर हो रहा है मुझे खुशी इस बात की है कि न सिर्फ यह उचित जगह बल्कि उचित हाथों से अनावरण इस कैलेंडर को और भी ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण बनाएगा। वरिष्ठ रंगकर्मी चंद्रभूषण पांडेय ने सर्जना न्यास की स्थापना (2011) से लेकर उसके सामाजिक कार्यों–टेराकोटा, लोककला, नुक्कड़ नाटक और चित्रकारी–का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्था नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजागरण से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भोजपुरी कला के पुनर्जीवन में अग्रणी रही है।

कैलेंडर की विशेषताएं: पारंपरिक भोजपुरी पंचांग आधारित महीनों का समावेश (चैत, बैसाख आदि)

शुक्लपक्ष व कृष्णपक्ष की जानकारी

विलुप्त होती कैथी लिपि का प्रयोग

हर पृष्ठ पर भोजपुरी पेंटिंग की छवियां

संस्कृति व शिक्षा के क्षेत्र में नई पीढ़ी के लिए प्रेरक

सांस्कृतिक पहचान और अस्मिता को पुनर्जीवित करने का दस्तावेज

पटना साहिब स्टेशन से पटना घाट तक संपर्क पथ का कायार्रंभ

संपर्क पथ का ठीक से निर्माण हो, इसका ख्याल रखें: सीएम

- सीएम नीतीश कुमार ने किया स्थलीय निरीक्षण, अधिकारियों को दिया खास निर्देश
- बोले- इसके बन जाने से सड़कों की संपर्कता तथा जेपी गंगा पथ की उपयोगिता और बढ़ जाएगी

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार ने जेपी गंगा पथ अंतर्गत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक संपर्क पथ का कायारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पटना घाट, ओ०पी० साह सामुदायिक भवन के निकट, पटना साहिब रेलवे स्टेशन के समीप पर्यटक सूचना केंद्र और पटना-बख्तियारपुर फोरलेन स्थित गुरु गोविंद सिंह लिंक पथ के पास पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक बनने वाले संपर्क पथ के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। स्थल निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस संपर्क पथ के निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा के अनुरूप पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि जे०पी० गंगा पथ के तहत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक संपर्क पथ का आज कायारंभ किया गया है। इसके बन जाने से सड़कों की संपर्कता तथा जेपी गंगा पथ की उपयोगिता और बढ़ जाएगी। इससे लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इस संपर्क पथ का ठीक ढंग से निर्माण कार्य पूरा हो, इसका विशेष रूप से ख्याल रखें।

पथ निर्माण विभाग अंतर्गत बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 52.54 करोड़ रुपए की लागत से पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक सम्पर्क पथ का निर्माण होना है। इस पथ का निर्माण राज्य सरकार एवं रेलवे के बीच भूमि के परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर किया जा रहा है। यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पटना घाट होते हुए जे०पी० गंगा पथ तक संपर्कता प्रदान करेगा, जिसकी कुल लंबाई 1.5 किलोमीटर है। इस सम्पर्क पथ के अन्तर्गत अशोक राजपथ पर फ्लाईओवर का प्रावधान किया गया है। पथ के दोनों तरफ दो लेन का सर्विस पथ के साथ स्ट्रीट लाइट, रोड मार्किंग इत्यादि का प्रावधान किया गया है। इस पथ के निर्माण से अशोक राजपथ एवं मारूफगंज मंडी क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात मिलेगी तथा जे०पी० गंगा पथ का एन०एच०-30 (पटना-बख्तियारपुर पथ) से संपर्कता प्राप्त होगा। इस कार्य के पूर्ण किये जाने की अवधि 12 माह निर्धारित की गयी है और इसे मार्च 2026 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है।

उपेंद्र कुशवाहा की मांग... पटना का नाम बदलकर पाटलिपुत्र हो

राज्यसभा सांसद और रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने एक बार फिर से पटना का नाम बदलकर पाटलिपुत्र करने की मांग उठाई है। उन्होंने यह मांग सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर की, जिसे उन्होंने देश के इतिहास का गौरवशाली प्रतीक बताया। पाटलिपुत्र, मौर्य साम्राज्य की राजधानी और सम्राट अशोक जैसे ऐतिहासिक महापुरुषों का केंद्र रहा है। आज का पटना उसी पाटलिपुत्र का आधुनिक स्वरूप माना जाता है। उपेंद्र कुशवाहा का कहना है कि इस नाम परिवर्तन से लोगों को अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ने का अवसर मिलेगा।उन्होंने कहा कि आज सम्राट अशोक की जयंती है, यह अवसर है जब हमें अपनी ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देना चाहिए। पटना को फिर से पाटलिपुत्र कहने से न केवल उसकी सांस्कृतिक पहचान लौटेगी, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

विपक्ष के नेता जनता को सरकार के प्रति गुमराह करते हैं: चिराग पासवान

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को वक्फ संशोधन विधेयक 2025 की आलोचना के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता हमेशा जनता को सरकार के प्रति गुमराह करते हैं। चिराग पासवान ने कहा कि जब भी एनडीए सरकार कोई कानून, बिल या संशोधन लाती है, जिसकी मदद से हम कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं, तब विपक्ष जनता के सामने सरकार के प्रति गलत धारण पेश करने की कोशिश करता है। इसके साथ ही विपक्ष लोगों को गुमराह करने का असफल प्रयास करता है।

पटना में घर के लोगों को बंधक बनाकर एक करोड़ रु. की लूट

केटी न्यूज/पटना

पटना के अगमकुंआ थाना क्षेत्र स्थित नालंदा कॉलोनी में घर के सदस्यों को हथियार के बलपर बंधक बनाकर लूट की वारदात को अपराधियों ने अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने एक करोड़ की संपत्ति लूट ली है। जानकारी के अनुसार अगमकुंआ थाना क्षेत्र स्थित नालंदा कॉलोनी के एक मकान में रहनेवाले संतोष प्रकाश के घर को अपराधियों ने निशाना बनाया है। जहां घर के सदस्यों को हथियार के बलपर बंधक बनाकर सोने , चांदी और लाखो के कैश लूट की वारदात को अपराधियों ने अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि लूट की वारदात में अपराधियों ने मोटर पार्ट्स कारोबारी संतोष प्रकाश के घर में लगभग 1 करोड़ के जेवरात सहित कैश लेकर फरार हुए है। अपराधियों के जाने के बाद पीड़ित ने अगमकुंआ थाना पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद घटना स्थल पर पूर्वी एसपी डॉ के रामदास सहित अगमकुंआ थाना पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम पहुंच अपराधियों को चिन्हित करने में जुटी है।

नालंदा में शिक्षक के घर से 25 लाख के गहने व नगदी की चोरी

केटी न्यूज/नालंदा

नालंदा जिले में अपराधी बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में दीपनगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर मोहल्ले में शनिवार की अहले सुबह बदमाशों ने शिक्षक के घर में घुसकर लाखों की चोरी कर ली, मगर घर में सो रहे परिवार को भनक तक नहीं लगी।

घटना शिक्षक मनोज कुमार के घर घटी है। पीड़ित ने बताया कि बदमाश खिड़की की ग्रिल खोलकर भीतर दाखिल हुए और सीधे उस कमरे में पहुंचे, जहां गोदरेज में जेवरात और नगदी रखे थे। मास्टर चाबी की मदद से गोदरेज खोलकर बदमाश लगभग 20 से 25 लाख रुपये के आभूषण और 20 हजार रुपये नकद ले उड़े। उन्होंने बताया कि बेटे की शादी दो साल पहले हुई थी, इसलिए बहू के गहने घर में रखे थे। साथ ही बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं, जिसके लिए हाल ही में आभूषण खरीदे गए थे। सभी गहने उसी गोदरेज में रखे गए थे जिसे बदमाशों ने निशाना बनाया। चोरी जिस कमरे में हुई, उसमें आमतौर पर उनकी बेटी सोती है। हालांकि, पिछले पांच दिनों से वह घर की पहली मंजिल पर सो रही थी, जिससे वह कमरा खाली था। सीसीटीवी कैमरे में दिख रहा है कि सभी बदमाश हाफ पैंट और शर्ट या टी-शर्ट में थे और अपने चेहरे को गमछा से ढका हुआ था। हथियारों से लैस यह अपराधी चोरी के बाद एक-एक कर घर से निकलते हुए सड़क की ओर जाते दिख रहे हैं। दीपनगर थानाध्यक्ष जितेंद्र राम ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है।

पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिहार की एटीएंडसी हानि 19.94% थी

बिहार ने बिजली क्षेत्र में गढ़ा कीर्तिमान... एटीएंडसी हानि 15.5 प्रतिशत पर, देश के औसत से भी नीचे

केटी न्यूज/पटना

बिहार ने बिजली क्षेत्र में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जो राज्य को न सिर्फ राष्ट्रीय मानचित्र पर अग्रणी बना रही है, बल्कि ऊर्जा प्रशासन की प्रतिबद्धता और दक्षता का भी उदाहरण पेश कर रही है। राज्य की दोनों वितरण कंपनियों नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल एटीएंडसी हानि को घटाकर 15.50% कर दिया है। यह पहली बार है जब बिहार की एटीएंडसी हानि देश के सभी डिस्कॉम के राष्ट्रीय औसत से भी नीचे पहुंच गई है। पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिहार की एटीएंडसी हानि 19.94% थी, जो अब 15.50% तक घट चुकी है। इसमें एनबीपीडीसीएल ने इसे 14.5% तक और एसबीपीडीसीएल ने 17% तक लाकर प्रदर्शन में नई ऊंचाई छू ली है। यह उपलब्धि वितरण प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार, सटीक और पारदर्शी बिलिंग, समयबद्ध कनेक्शन और उपभोक्ता विश्वास निर्माण जैसे कई पहलुओं के बेहतर कार्यान्वयन का परिणाम है। इन प्रयासों को केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं,

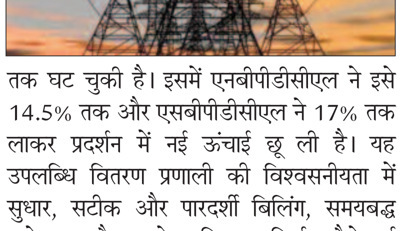

राष्ट्रीय मंचों पर भी सराहा गया है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी उपभोक्ता सेवा रेटिंग में एनबीपीडीसीएल को 'A' ग्रेड और एसबीपीडीसीएल को 'B+' ग्रेड मिला है।

राजस्व वसूली में भी ऐतिहासिक उछाल: बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के प्रति उत्तरदायित्व में सुधार का असर राजस्व वसूली पर भी दिखा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 17,114 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 2023-24 की 15,109 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 13% अधिक है। यह वृद्धि सीधे तौर पर प्रणालीगत सुधार, उपभोक्ता संतोष और कार्यकुशलता से जुड़ी है। आरडीएसएस योजना के तहत अवसंरचना सुधारों और तकनीकी हानियों में कमी लाने वाली पहलों ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रामनवमी जुलूस आज: पूरी हुई तैयारी, इस बार केरल और कनार्टक से बुलाई गई है बैंड पार्टी

- डुमरांव में श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के तत्वावधान में निकाती है महाबीरी जुलूस
- ढोल नगाड़ो की थाप से गूंजा शहर

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को चैत्र रामनवमी का त्योहार मनाया जा रहा है। प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर मनाए जाने वाले इस त्योहार की डुमरांव में खासी धूम रहती है तथा इस मौके पर आकर्षण का केन्द्र श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा निकाला जाने वाला महाबीरी झंडा जुलूस रहता है। इस आयोजन की पूरे साल शहरवासियों को इंतजार रहता है।

इस बार भी महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा इस जुलूस को आकर्षक व भव्य बनाने के लिए खास तैयारियां की गई है। इसके लिए विभिन्न देवी देवताओं की झांकिया तैयार कर ली गई है। जुलूस के दौरान ये झांकियां भी श्रद्धालुओं को खासे आकर्षित करती है। इन झांकियों में वीर हनुमान, राम दरबार की झांकी, मां काली व भूत भावन भगवान शिव व उनके गणों की झांकियों के अलावे कई जगहों के ढोल तासे शामिल रहते है।

आयोजन समिति द्वारा इस बार बनारस व आजमगढ़ के ढोल तासों के साथ ही इस बार खास तौर पर केरल व कर्नाटक के ढोल तासों को भी शामिल किया गया है। इस बार शहरवासियों को महाबीरी झंडा जुलूस में दक्षिण भारतीय संस्कृति का दिदार व वहां के ढोल तासों की कर्णप्रिय थाप सुनने को मिलेगा।

कोषाध्यक्ष ओमवीर गुप्ता ने बताया कि शोभायात्रा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महासचिव कमल चौरसिया ने बताया कि शहर के युवाओं में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है और वे पूरी तत्परता से तैयारियों में लगे हुए हैं। रामनवमी पर होने वाला यह आयोजन नगर के लिए गौरव का विषय है, जिसमें हर वर्ग के लोगों की सहभागिता इसे और विशेष बना देती है।

समिति के सचिव सत्यजीत कसेरा ने बताया कि शोभायात्रा में भाग लेने के लिए नगरवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं।

वहीं, इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के मनोज वर्मा, कृष्ण मुरारी केसरी, विनोद केसरी, मनोज केसरी, अनिल कुमार, सत्यम वर्मा, शौर्य केसरी, दीपक रौनियार, सचिन कुमार, लक्की केसरी, पिंटू केसरी, शिवम वर्मा, आशीष वर्मा, मदन प्रसाद गुप्ता आदि भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शाम चार बजे राजगढ़ प्रांगण से निकलेगा जुलूस

श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के संयोजक गुप्तेश्वर प्रसाद गुरूजी ने बताया कि जुलूस सह शोभा यात्रा शाम चार बजे राजगढ़ के फाटक से निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरेगी और समस्त श्रद्धालुओं के लिए आस्था व श्रद्धा का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य राम जन्मोत्सव को जन-जन तक पहुंचाना और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। जबकि समिति के अध्यक्ष सुमित गुप्ता ने कहा कि शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, भगवा ध्वज, भजन-कीर्तन मंडलियां तथा ढोल-नगाड़ों के साथ प्रभु श्रीराम की झलकियां देखने को मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह शोभायात्रा न केवल धार्मिक भावना को प्रबल करेगी बल्कि समाज में एकता, समर्पण और सांस्कृतिक गौरव को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

खबरें फटाफट

शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका

बक्सर। बिहार कौशल विकास मिशन के कुशल युवा-समृद्ध युवा इंटर्नशिप के तहत जिले के युवाओं को देश की टॉप 500 कंपनियों में एक वर्ष का इंटर्नशिप का बेहतरीन मौका मिलने वाला है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अभ्यर्थियों को एक वर्ष का इंटर्नीशप कराया जाएगा। जिले के वैसे युवा जिनकी उम्र 21 से 24 वर्ष के बीच हो तथा उनके परिवार का कोई भी सदस्य स्थायी व सरकारी नौकरी में न हो वे इस इंटर्नशिप योजना का लाभ ले सकते है। बताया जा रहा है कि इस योजना के तहत मैट्रिक, इंटर, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, सामान्य स्नातक जैसे बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए, बीफार्मा आदि पास युवा आवेदन कर सकते है।

जुलूस को ले ठप रहेगी विद्युत आपूर्ति

डुमरांव। रविवार को डुमरांव में निकाले जाने वाले महावीरी झंडा जुलूस व शोभा यात्रा के मद्देनजर एहतियात के तौर पर शाम पांच बजे से मध्य रात्रि तक शहर की बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। टाउन जेई मनीष कुमार ठाकुर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जुलूस के मद्देनजर शहर की विद्युत आपूर्ति ठप रखी जाएगी।

रामनवमी के पूर्व संध्या पर निकाला गया फ्लैग मार्च, बोले जिलाधिकारी...

सद्भाव व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाएगी रामनवमी की शोभायात्रा

- रामनवमी के जुलूस में डीजे, अश्लील एवं भड़काऊ गानों तथा हथियारों के प्रदर्शन पर रहेगा प्रतिबंध

केटी न्यूज/बक्सर

रामनवमी पर्व के दौरान शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं एसपी शुभम आर्य के नेतृत्व में बक्सर नगर परिषद क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया।

सदर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र एवं एसडीपीओ धीरज कुमार व मॉडल थाना के थानाध्यक्ष की उपस्थिति में मॉडल थाना से प्रारंभ होकर यमुना चौक से हनुमान फाटक, खलासी मोहल्ला, ज्योति चौक, बाजार समिति, नई बाजार होते हुए मठिया मोड़ आदि स्थलों पर फ्लैग मार्च किया गया।

इस संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि रामनवमी के मौके पर हिन्दू समुदाय के लोगों के द्वारा रामनवमी का जुलूस निकाला जाता है। इस दौरान कई बार विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह फ्लैग मार्च शांतिपूर्ण व सद्भाव के माहौल में रामनवमी का त्योहार मनाने तथा उपद्रवी तत्वों को यह संदेश देने के लिए निकाला गया है कि उपद्रव फैलाने की कोशिश करने वालों से प्रशासन सख्ती से निपटेगी।

एक दिन पूर्व से ही तैनात कर दिए गए है मजिस्ट्रेट : रामनवमी जुलूस के मद्देनजर शनिवार की पूर्व संध्या से रविवार को स्थिति सामान्य होने तक मजिस्ट्रेट्स की तैनाती की गई है। रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए 54 मजिस्ट्रेट्स व पुलिस पदाधिकारियों की के अलावे 31 गश्ती दल तथा दो जोनल मजिस्टेज्ट व पुलिस बल की तैनाती की गई है।

सभी प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर ससमय उपस्थित होकर दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा जुलूस के मार्गों में भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रखेंगे। कोई भी जुलूस बिना लाइसेंस के नहीं निकाला जाएगा। संबंधित थानाध्यक्ष एवं दंडाधिकारी द्वारा जुलूस का स्कार्ट सुनिश्चित कराया जाएगा।

नहीं बजेगा डीजे, हथियार का प्रदर्शन भी बैन : जिलाधिकारी ने बताया कि रामनवमी जुलूश या शोभायात्रा के दौरान डीजे बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। डीजे बजाने वाले संबंधित समितियों व डीजे संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावे जुलूस में किसी तरह के घातक हथियार का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। सिर्फ लाइसेंस में वर्णित परंपरागत हथियारों से ही जुलूस में शामिल लोग करतब दिखा सकते है।

जिलाधिकारी ने पुलिस को सीसीटीवी कैमरे व सोसल साइबर सेनानी ग्रुपों के माध्यम से नजर रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे स्थान जहां दोनों समुदाय के धार्मिक स्थल समीप है एवं दोनों समुदाय की मिश्रित आबादी है, उन सभी स्थानों पर विशेष सतर्कता एवं विशेष निगरानी रखी जा रही है।

डुमरांव एवं नया भोजपुर में भी एसडीएस और एसडीपीओ के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

डुमरांव। वहीं, डुमरांव व नया भोजपुर थाना क्षेत्र में भी फ्लैग मार्च निकाल लोगों को प्रेम व सौहार्द के माहौल में रामनवमी का त्योहार मनाने का निर्देश दिया गया।

डुमरांव में फ्लैग मार्च एसडीएम राकेश कुमार, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में निकाला गया था। डुमरांव थाना परिसर से निकला फ्लैग मार्च पूरे शहर में भ्रमण कर वापस लौटा। इस दौरान थानाध्यक्ष समेत सभी पुलिस पदाधिकारी व बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च के दौरान बूटों की थाप से उपद्रवी तत्वों में हड़कंप मचा रहा। वहीं, दूसरी तरफ नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार के नेतृत्व में नया भोजपुर में फ्लैग मार्च निकाल उपद्रवी तत्वों को सख्त संदेश दिया गया है।

डीजे के विरूद्ध चलाया गया है अभियान : एसपी

वहीं, एसपी शुभम आर्य ने बताया कि डीजे के विरुद्ध अभियान चलाया गया है। इस दौरान कई डीजे जप्त किया गया एवं डीजे संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि रामनवमी शोभा यात्रा या जुलूस में डीजे बिल्कुल नहीं बजना है। इसको लेकर गंभीरता बरतेंगे अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शराब निर्माण के लिए लाई जा रही एक हजार ली. स्प्रीट के साथ पिकअप जब्त

केटी न्यूज/डुमरांव

सिमरी पुलिस ने तस्करों के मंसूबे पर पानी फेरते हुए एक हजार लीटर स्प्रीट के साथ ही एक पिकअप वैन जब्त किया है। इस स्प्रीट का उपयोग शराब निर्माण में होने वाला था। हलांकि तस्कर भागने में सफल रहे है तथा पुलिस की जांच में पिकअप का नंबर भी फर्जी निकला है। बावजूद पुलिस तस्करों की शिनाख्त में जुट गई है।

पुलिस को यह सफलता शुक्रवार की शाम नियाजीपुर पड़री मार्ग पर स्थित सहियार गांव के पास से गुप्त सूचना पर मिली है। सफेद रंग की पिकअप में सब्जी के कैरेट के बीच ब्लू रंग के पांच प्लास्टिक ड्रम में स्प्रीट की उक्त खेप को छिपाकर लाई जा रही थी। छापेमारी का नेतृत्व सिमरी थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने किया।

सहियार के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया: डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने सिमरी थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर यूपी के बलिया से शराब निर्माण के लिए स्प्रीट की खेप लेकर नियाजीपुर के रास्ते आने वाले है। इस सूचना पर सिमरी थानाध्यक्ष को नियाजीपुर पथ में वाहन चेकिंग करने का निर्देश दिया गया। थानाध्यक्ष ने सहियार के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान नियाजीपुर की तरफ से आ रही पिकअप नंबर बीआर 01 जीएन 5925 के चालक ने पुलिस टीम को कुछ दूर पहले ही वाहन रोक दिया तथा पिकअप में बैठे लोग फरार हो गए। पुलिस ने टीम ने उक्त पिकअप की तलाशी ली। इस दौरान पिकअप पर सब्जी के कैरेट के आड़ में ब्लू रंग के प्लास्टिक के पांच ड्रम मिले, जिसे खोलकर देखने पर उसमें स्प्रीट भरा था। इसके बाद पुलिस उक्त पिकअप को जब्त कर थाने लाई तथा नंबर प्लेट की जांच की तो वह फर्जी निकला।

एसडीपीओ ने बताया कि तस्करों की शिनाख्त की जा रही है। उन्हें जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा। गौरतलब हो कि इलाके में स्प्रीट के सहारे शराब निर्माण का खेल जारी है। स्प्रीट खेप की बरामदगी इस बात की पुष्टि करती है कि शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद इलाके में शराब का निर्माण हो रहा है। बता दें कि दो वर्ष पूर्व मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव में स्प्रीट व अन्य केमिकल निर्मित शराब गटकने से एक साथ छह लोगों की मौत हो गई थी, बावजूद तस्कर शराब निर्माण से बाज नहीं आ रहे है, लेकिन सिमरी पुलिस की मुश्तैदी से इस बार उनका मंसूबा सफल नहीं हो सका।

अगलगी में दो आशियाने जले हजारों रुपये की संपत्ति खाक

केटी न्यूज/सिमरी

जिले के रामदास राय के डेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगौली गांव में शनिवार की दोपहर अचानक हुई अगलगी की घटना में झोपड़ीनुमा दो आशियाने खाक हो गए। हालांकि, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया। इस क्रम में स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई।

वहीं, आग पर काबू पाए जाने के बाद अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंची। इस घटना में गंगौली निवासी जेपी गोंड व मनोज गोंड के झोपड़ीनुमा घर सहित हजारों की संपत्ति जली है। अगलगी के कारणों का पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही तत्काल रामदास राय के थानाध्यक्ष शुभम कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि दोनों काफी गरीब परिवार से आते है। ग्रामीणों से सिमरी सीओ भवानी शंकर पांडेय से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

नियाजीपुर में अवैध असलहे और कारतूस के साथ दो किशोर धराये

- नियाजीपुर बाजार के समीप लचकहवा पुल के पास पुलिस को मिली सफलता, किशोरों के मोबाइल भी जब्त

केटी न्यूज/सिमरी

जिले के तिलक राय के हाता थाना की पुलिस ने किसी बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने निकले दो किशोरों को एक देशी तमंचा व एक कारतूस के साथ पकड़ लिया है। पुलिस ने उनके पास से एक बाइक व दो मोबाईल फोन भी बरामद किया है। पकड़े गए दोनों किशोर इसी थाना क्षेत्र के सबरन के डेरा गांव के निवासी है। पुलिस उनके पूछताछ कर उनके मंसूबे की पड़ताल कर रही है, वहीं दोनों किशोरों का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात तिलक राय के हाता पुलिस नियाजीपुर बाजार व कोईलवर तटबंध के बीच स्थित लचकहवा पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान कोईलवर तटबंध की तरफ से एक बाइक पर बैठे दो किशोर आते दिखाई पड़े। पुलिस ने जब उन्हें रोक तलाशी ली तो एक किशोर के पास से देशी कट्टा व एक कारतूस मिला। जिसके बाद पुलिस दोनों को पकड़ थाने लाई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि किशोरों के अपराधिक रिकार्ड को खंगाला जा रहा है।

हालांकि, उनके पास अवैध असलहा व कारतूस कहा से आया व उनका क्या इरादा था, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। फिलहाल आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, वहां से उन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है।

बक्सर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की मनाई जयंती

महान स्वतंत्रता सेनानी व भारत माता के सच्चे सपूत थे स्व. जगजीवन राम : डॉ. मनोज पांडेय

केटी न्यूज/बक्सर

जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर शनिवार को समता मूलक समाज के महान नेता व भारत सरकार के पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 118 वी जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संजय कुमार पांडेय उर्फ मुन्ना पांडेय ने जबकि कार्यक्रम का संचालन अजय यादव ने किया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि वे दलितों के महान नेता थे तथा भारत माता के सचचे सपूत थे। उन्होंने कहा कि वे कैंन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के मंत्री रहकर कर्तव्य निष्ठा एवं देश हित में कार्य करते रहे। कांग्रेस पार्टी की नीति सिद्धांत उनके कण कण में कूट-कूट कर रही। डॉ. पांडेय ने कहा कि सामाजिक न्याय और हासीए पर पड़े लोगों के लिए दिन-रात कार्य करते रहे। डॉ. पांडेय ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी जगजीवन राम अपने पूरे जीवन गरीब गुरबो के बीच रहकर निरंतर सेवा करते रहे। वहीं, वे देश की आजादी की लड़ाई में भी काफी सक्रिय थे। उन्होंने कहा कि स्व. जगजीवन राम आजीवन दलित समाज का उत्थान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करते रहे। वहीं, वे हमेशा विकास की राजनीति में भरोसा करते थे तथा हमेशा आम जनता की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मजबूत बनाने में उनका योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उनके विचारों पर चलकर ही देश में समतामूलक समाज की स्थापना किया जा सकता है।

श्रद्धांजलि सभा को भोला ओझा, विनय कुमार सिंह, त्रिजोगी नारायण मिश्र, महिमा शंकर उपाध्याय, भृगुनाथ तिवारी, बब्बन तुरहा, मुन्नी देवी, दीपक कुमार, विमल प्रसाद, सुनील प्रसाद, मुन्ना कुमार समेत कई अन्य कांग्रेस जन उपस्थित थे।

बक्सर में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने किया बिरला ओपन माइंड्स स्कूल का उद्घाटन

बिहार शिक्षा व ज्ञान की स्थली: राज्यपाल

कार्यक्रम की झलकियां...

फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री व अन्य।

राज्यपाल को स्मृतिचिह्न भेंट करते प्रदीप राय।

कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

प्रदीप राय को मिठाई खिलाते राज्यपाल।

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सदियों से शिक्षा का केन्द्र रहा है। आजादी के पहले भारत को पूरी दुनिया ज्ञान स्थली के रूप में जानती थी, उस दौर में भी बिहार में दो विश्वविद्यालय हुआ करते थे। उक्त बातें बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने शनिवार को बक्सर में कही। अवसर था बक्सर के इटाढ़ी रोड में नवनिर्मित बिरला ओपन माइंड्स स्कूल के उद्घाटन का। राज्यपाल बतौर मुख्य अतिथि यहां आए थे। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन काल से ही बिहार शिक्षा के महत्व को जानता रहा है तथा बिहारी मेधा ने पूरी दुनिया में अपने ज्ञान विज्ञान का डंका बजाया है।

उन्होंने कहा कि त्रेता युग में बक्सर महर्षि विश्वामित्र की शिक्षास्थली व प्रयोगशाला रही है, जहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रभु श्रीराम को आना पड़ा था। महर्षि विश्वामित्र के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने के बाद ही भगवान श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम बने थे। उन्होंने कहा कि बिहार का नालंदा विश्वविद्यालय पूरी दुनियां में अपनी ज्ञान की रौशनी बिखेर रहा था। राज्यपाल ने उम्मीद जताया कि बिरला माइंड्स ओपेन स्कूल बक्सर तथा आस पास के जिलों में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

उन्होंने विद्यालय की नींव रखने वाले वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन को भी इस प्रयास के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि कोशिश करनी चाहिए कि शिक्षा क्षेत्र में बक्सर व बिहार के प्राचीन गौरव को लौटाया जाए। यह तभी संभव है जब आधुनिक व तकनीकि शिक्षा के साथ ही प्राचीन भारतीय आदर्शों, धर्म व दर्शन को शिक्षा में शामिल किया जाए।

वहीं, मौके पर उपस्थित राज्य के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई प्रयास किए है। उनके प्रयास अब धरातल पर दिखाई पड़ रहे हैं। बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन अब परिलक्षित होने लगा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में निजी विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जबकि बक्सर के पूर्व सांसद अश्विनी चौबे ने कहा कि बक्सर ऋषि मुनियों की धरती रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थली पौराणिक काल से शिक्षा स्थली है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कारा परिसर में भगवान वामन की जन्म स्थली है। उस स्थली को बाहर किया जाए। जिससे श्रद्धालु वहां पहुंच सके। यह स्थलीय अयोध्या से कम नहीं है। भगवान वामन की यह जन्म स्थली है तो भगवान श्रीराम की शिक्षा स्थली है। पूर्व सांसद ने बिरला माइंड्स ओपेन स्कूल जैसे आधुनिक व तकनीकी युक्त स्कूल की आधारशीला रखने के लिए वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक की सराहना की।

कई अन्य वक्ताओं ने किया संबोधित : उद्घाटन समारोह को रांची हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस एसएन पाठक, औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील सिंह, बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय, पूर्व विधायक सुनील पांडेय, संतोष निराला आदि ने भी संबोधित किया और कहा कि मानव जीवन को सुखमय बनाने के लिए शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है। वक्ताओं ने इस प्रयास के लिए वैष्णवी ग्रुप की सराहना की और कहा कि बक्सर जैसे जगह पर इतने बड़े स्कूल की स्थापना जिलेवासियों के लिए बड़ा उपहार है।

हमारा प्रयास छात्रों को बेहतर देना है: वहीं, वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप राय ने कहा कि इस विद्यालय में छात्रों को आधुनिक व तकनीकी शिक्षा के अलावे, खेलकूद, हॉर्स राईडिंग, स्वीमिंग आदि का प्रशिक्षण भी कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास छात्रों को बेहतर व आज के कठिन प्रतियोगी दौर में औव्वल करने जैसी शिक्षा देने का है। इसी उदेश्य से इस विद्यालय की नींव रखी गई है। उन्होंने उद्घाटन समारोह में आने वाले गणमान्य लोगों को धन्यवाद भी दिया।

मौके पर पूर्व विधायिका दिलमणि देवी, प्रदीप दूबे, ओम प्रकाश भुवन, पुनित सिंह, मनोज सिंह, अरविंद प्रताप शाही, श्रवण तिवारी, संजय सिंह राजनेता, अमित पांडेय, रानी चौबे, शीला त्रिवेदी, पूनम रविदास, कतवारू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

बेहतर शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं से ही बनेगा विकसित बिहार: सभापति

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने का प्रयास चल रहा है। इसके लिए जरूरी है कि शिक्षा, रोजगार, कृषि व स्वास्थ्य क्षेत्र को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताया कि यह विद्यालय बक्सर जिले में शिक्षा क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा।

2047 तक विकसित भारत बनाने का है लक्ष्य

राज्यपाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि आजादी के 100 वें साल यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि आदि सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास किया जा रहा है। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा कि शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र शिक्षा व संपदा की दृष्टि से काफी समृद्ध रहा है जरूरत है इसे फिर से उसी स्थान पर पहुंचाने की। इसके लिए सभी शिक्षित होने के साथ ही तकनीकी रूप से दक्ष होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा में तकनीकी का बड़ा महत्व हो गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ग्रहण करने के लिए कठिन के शिव कोई दूसरा विकल्प नहीं है। यह ऐसी चीज है, जिसे किसी को जबदस्ती नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर दिन नई समस्याएं आती रहती है, इसके लिए हमे हर दिन नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए शिक्षित होना बहुत जरूरी है। इसके पूर्व वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप राय व बिरला ओपेन माइंड्स स्कूल के प्रबंधन निदेशक ई. अंकुर राय ने राज्यपाल समेत अन्य आगत अतिथियों को जोरदार स्वागत किया।

एक नजर

केसठ में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

केसठ। प्रखंड के बस पड़ाव स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय के परिसर में शनिवार को मां शांति देवी स्मृति संस्थान केसठ के तत्वावधान में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को तीन वर्गों में बांटा गया था। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न जगहों से एक से पांच कक्षा से 110, छह से आठ कक्षा से 150 तथा नवम एवं दशम कक्षा से 40 छात्रा छात्राओं ने भाग लिया। वहीं, इस प्रतियोगिता का नेतृत्व शिक्षक अजय विक्रांत एवं मुकेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने बताया कि आगामी सात अप्रैल को केसठ हाई स्कूल के मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कबड्डी एवं दौड़ की प्रतियोगिता होगी। इस दोनों प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को 11 अप्रैल को पुरस्कृत किया जाएगा। मौके पर पप्पू यादव, मनोज कुमार, विनोद मास्टर, सत्येंद्र कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

प्रखंड के विद्यालयों में फोकल शिक्षकों एवं कक्षावार बाल प्रेरकों का चयन

नावानगर। मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को स्थानीय प्रखंड के विभिन्न प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में फोकल शिक्षकों एवं कक्षावार बाल प्रेरकों का चयन किया गया। जिसमें प्राथमिक विद्यालय अतिमी में पांचवीं कक्षा से दो व चौथी कक्षा से 3 बच्चें नंदनी कुमारी,सलोनी कुमारी व निहाल कुमार का चयन किया गया। वही फोकल शिक्षिका कुमारी ऊषा गुप्ता को पूर्ववत रखा गया। दूसरी ओर कन्या मध्य विद्यालय नवानगर में बबीता राय को फोकल शिक्षिका के रूप में तथा बाल प्रेरकों की सूची में हसबुन निशा, गुड़िया कुमारी, नेहा कुमारी, लभली कुमारी और खुशबू कुमारी का नाम शामिल हैं।

अगलगी के पीड़ित लोगों से मिलने पहुंचे विधायक

सिमरी। प्रखंड के पैगम्बरपुर पंचायत के बड़का सिंहनपुरा गांव में एक किसान के घर आग लग गई जिसमें उसका सबकुछ जलकर राख हो गया। घटना शनिवार की सुबह 6 बजे हुई। इस आगजनी में किसान के कपड़े, बिछावन, अनाज और अन्य जरूरी चीजें जलकर राख हो गई। किसान की पहचान स्थानीय गांव के मदन यादव के रूप में हुई है। घटना के पीड़ित किसान के घर कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक शंभूनाथ सिंह यादव मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने के साथ ही आर्थिक मदद भी किया। विधायक ने मौके पर से अंचलाधिकारी को फोन मिलाया और जल्द से जल्द क्षति का आकलन कराकर इस मामले में उचित मुआवजा देने की बात कही। बता दे की आगजनी के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना के बाद पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। विधायक ने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम और हमारी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं।

अनुसूचित जाति बस्ती में 14 से लगेगा शिविर

केसठ। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करने को ले विकास टोला स्तर पर विकास शिविर आयोजित करने को ले प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा के अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विशेष रूप से वेलफेयर ऑफिसर प्रीति कुमारी, ग्रामीण विकास सहायक, प्रवेक्षक, स्वच्छता मिशन कर्मी, मनरेगा पीआरएस,, पंचायत सचिव, टोला सेवक आदि मौजूद रहे। बैठक में बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सबसे निचले स्तर के लोगों के बीच सरकार की सभी योजनाओं सं क्रियान्वयन करना है तथा उनको लाभ दिलाना है। प्रखंड के विभिन्न 16 टोलो में 14 अप्रैल से 20 जून तक विकास शिविर आयोजित की जाएगी। इससे पूर्व चयनित 16 अनुसूचित जाति के बस्तियों में उनके समस्याओं को लेकर सर्वे किया जाएगा।

बेहतर करने वाले मैट्रिक इंटर के छात्र छात्रों को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/केसठ

स्थानीय प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय रघुनाथपुर में मैट्रिक एवं इंटर बोर्ड की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के लिए शनिवार को सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ठाकुर ने व संचालन शिक्षक संजय कुमार ने किया। इस दौरान सफल छात्र-छात्राओं को अंगवस्त्र व माला पहना बधाई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर प्रधानाध्यापक ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में विद्यालय के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जो बहुत ही सराहनीय है। इस दौरान सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साह वर्द्धन किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। सम्मानित होने वाले छात्रों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक रही थी। गौरतलब हो कि इस बार मैट्रिक एवं इंटर बोर्ड की परीक्षा में दर्जनों छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया है।

सम्राट अशोक की जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा

बक्सर। चक्रवर्ती सम्राट अशोक जयंती के मौके पर कुशवाहा महासंघ के बैनर तले नगर के पिप्पली बुद्ध विहार स्थित बुद्ध मूर्ति से भव्य जुलूस एवं शोभायात्रा निकाली गई। जो शहर के मुख्य चौराहों से होते हुए पुनः वापस आकर एक सभा में तब्दील हो गयी। सम्राट अशोक एवं उनके शासन नीति पर विचार गोष्ठी की गयी जिसकी अध्यक्षता अभिमन्यु कुशवाहा ने किया। जिसमें चक्रवर्ती सम्राट के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। शोभायात्रा निकाले जाने के बारे में अभिमन्यु सिंह कुशवाहा ने कहा की सम्राट अशोक केवल सम्राट नहीं बल्कि भारत की आत्मा है। इस शोभा यात्रा का उद्देश्य है कि, सम्राट अशोक द्वारा देश हित में जो त्याग बलिदान किया गया। उनके ऐतिहासिक गाथा को जीवंत बनाने हेतु जन जन तक पहुंचाना है। भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भारत के सम्राट अशोक एवं महापुरुषों की त्याग और समर्पण की गाथा की इतिहास को जान सके।

परिसीमन बदलने से वोटर हुए इधर से उधर, बढ़ी प्रत्याशियों की चिंता

चौसा पैक्स में आमने-सामने की टक्कर परिसीमन बदलने से दिलचस्प हुआ मुकाबला

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र में इस बार पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समिति) चुनाव बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। नए परिसीमन के तहत चुनावी क्षेत्र की सीमाएं बदल जाने से न केवल उम्मीदवारों की रणनीतियां बदल गई हैं, बल्कि चुनावी समीकरण भी पूरी तरह उलट-पुलट हो गए हैं। यही कारण है कि प्रत्याशियों की चिंता साफ तौर पर देखी जा सकती है और चुनावी सरगर्मी चरम पर है।

गौरतलब है कि पहले यह चुनाव चौसा पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आता था, जिसमें सीमित पंचायत क्षेत्रों के मतदाता ही मतदान करते थे। लेकिन इस बार परिसीमन के चलते चौसा नगर को अलग ष्नगर पैक्स क्षेत्रष के रूप में स्थापित कर दिया गया है। इस परिवर्तन से न केवल पुराने क्षेत्रों के दो गांव जिनमें लगभग 200 मतदाता थे वे

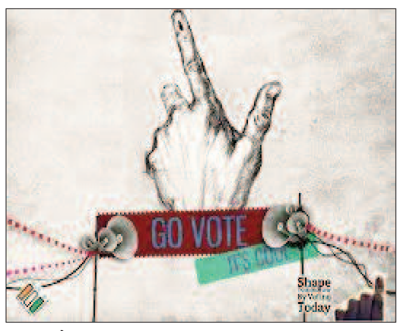

पवनी पैक्स में चले गए वहीं, पांच नए गांवों को नगर पैक्स क्षेत्र में जोड़ा गया है। इससे लगभग 500 नए मतदाता जुड़ गए हैं, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। इस नए परिसीमन के चलते पहले जिन क्षेत्रों में किसी एक प्रत्याशी की मजबूत पकड़ थी, वे क्षेत्र अब अन्य पैक्स क्षेत्र में चले गए हैं। इसके चलते पुराने समीकरण ध्वस्त हो गए हैं और प्रत्याशियों को अपने नये क्षेत्रों में जनसंपर्क स्थापित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव में इस बार मुकाबला आमने-सामने का है। जहां पिछले चुनावों में तीन से चार उम्मीदवार मैदान में होते थे, वहीं इस बार मुख्य मुकाबला दो प्रमुख प्रत्याशियों के बीच सिमट गया है, जिससे मुकाबला और भी रोचक बन गया है।

चूंकि चौसा क्षेत्र में अब तक पैक्स चुनाव सामान्यतः शांतिपूर्ण और अपेक्षाकृत कम प्रतिस्पर्धी होते रहे हैं, लेकिन इस बार बदले परिदृश्य और विस्तृत क्षेत्र के कारण सभी उम्मीदवार प्रचार-प्रसार में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मतदाताओं को साधने के लिए घर-घर संपर्क साध रहे है। हर प्रत्याशी अपने पक्ष में लहर बनाने की कोशिश में जुटा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि बदलते समीकरणों और नये राजनीतिक गणित के बीच इस बार विजय का सेहरा किसके सिर बंधेगा।

भोजपुर जिले के जरोवरपुर गांव स्थित मध्य विद्यालय का मामला

रसोइया ने हेडमास्टर पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप, लोगों ने पीटा

♦ जख्मी हेडमास्टर व रसोईया का आरा सदर अस्पताल में कराया गया इलाज

केटी न्यूज/आरा

जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जरोवरपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शनिवार की दोपहर विद्यालय केई ही महिला रसोइया द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के हेड मास्टर पर छेड़खानी व मारपीट करने का मामला सामने आया है। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा उक्त हेडमास्टर की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद जख्मी हेड मास्टर व महिला रसोइया का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया गया।

जानकारी के अनुसार जख्मियों में टाउन थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ला निवासी स्व.भुवनेश्वर प्रसाद के पुत्र सह जरोवरपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय के हेडमास्टर राजेंद्र पाल एवं उसी गांव के निवासी चिंटू यादव की पत्नी सह रसोइया मीरा देवी शामिल है। इधर रसोइया मीरा देवी ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह विद्यालय के रसोई घर में खाना बना रही थी। तभी हेड मास्टर राजेंद्र पाल द्वारा उसे क्लासरूम में बुलाया गया और क्लास रूम में रहे बच्चों को बाहर भेज दिया गया। इसके बाद उनके द्वारा क्लासरूम का गेट लगाकर उसके साथ छेड़खानी की गई। जब उसने इसका विरोध किया तो उनके द्वारा डंडों से उसकी पिटाई कर दी गई। जिससे वह जख्मी हो गई। जब उसने शोर मचाना शुरू किया तो स्थानीय ग्रामीण वहां इकट्ठा हुए। इसके बाद उन्होंने दरवाजा खोला। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण द्वारा हेड मास्टर राजेंद्र पाल की भी पिटाई कर दी गई।

बेटे की पिटाई पर किया हंगामा: जबकि हेड मास्टर राजेंद्र पाल ने बताया कि महिला रसोइया मीरा देवी का पुत्र प्रियांशु कुमार उसी विद्यालय में छठे क्लास में पढ़ता है। शनिवार की दोपहर उन्होंने उसे डांट-फटकार लगाई एवं दो थप्पड़ भी जड़ा था। इसके बाद उन्होंने उसे कहा कि कल से मैं तुम्हें क्लास का मॉनिटर बनाऊंगा। उसके वह आंगनबाड़ी केंद्र पर चले गए और सेल्फी ली। जब वह आंगनबाड़ी केंद्र से वापस विद्यालय लौटे तो उन्होंने देखा कि उनके कार्यालय में पांच-छह लोग पहले से घुसे हुए। जैसी वह कार्यालय में पहुंचे तो उन लोगों द्वारा उनकी पिटाई कर दी गई। इसके अलावा कार्यालय में रखे टेबल, कुर्सी व अलमीरा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ हेड मास्टर राजेंद्र पाल ने बताया कि उसी गांव के निवासी सह वार्ड सदस्य कृष्णा यादव बराबर विद्यालय को डिस्टर्ब करते हैं। रसोईया के बेटे को डांट फटकार लगाने के कारण वार्ड सदस्य के कहने पर ही रसोईया द्वारा छेड़खानी का आरोप लगाया जा रहा है। वही इस मामले में मुफस्सिल थानाध्यक्ष आशीष कुमार शाह ने बताया कि दोनों पक्ष के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है। जांच उपरांत ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

पानी को लेकर हुए विवाद में जमकर हुई मारपीट, दादी-पोता जख्मी; दोनों इलाजरत

केटी न्यूज/आरा

जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के घेघटा गांव में मामूली विवाद को लेकर दादी-पोते की पड़ोसियों ने पिटाई कर दी। इससे दोनों जख्मी हो गए हैं। अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। जिसके बाद परिजन ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जख्मियों में कृष्णागढ़थाना क्षेत्र के घेघटा गांव निवासी स्व.नेजामुद्दीन की 60 वर्षीया पत्नी जैनम खातून और उनका 15 वर्षीय पोता बिट्टू है।

इधर बिट्टू ने बताया कि वह अपने घर से बाहर पानी पीने के लिए गली से जा रहा था। इसी बीच पड़ोसी लड़की भी उसी रास्ते से आ रही थी, उसने कहा कि साइड हो जाओ। मैं उसे देखते ही साइड हो गया। तभी उसकी पड़ोसी की लड़की ने उसे गाली-गलौज करते हुए उसका कॉलर पकड़ लिया। तभी लड़की का भाई वहां आया। उसकी पिटाई करने लगा। जब उसे पीटता देख उसकी दादी उसे बचाने गई तो उक्त युवक ने उनकी भी पिटाई कर दी। पीड़ित परिवार ने मारपीट की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की है। इधर, इलाज कर रहे ऑन ड्यूटी चिकित्सक प्रमोद कुमार ने बताया कि युवक के सिर और बुजुर्ग महिला को शरीर के अलग-अलग जगहों पर अंदरूनी चोट लगी है। दोनों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है। हालांकि लड़ाई किस कारण हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

जगजीवन राम की जयंती मनाई गई

आरा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व उप-प्रधानमंत्री स्वर्गीय बाबू जगजीवन राम जी की 118वीं जयंती भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा स्थानीय पार्टी कार्यालय शहीद भवन, आरा में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत बाबू जगजीवन राम जी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर की गई, जिसमें सभी उपस्थित कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय बाबू जगजीवन राम जी गरीबों, शोषितों और वंचितों के महान नेता थे, जिन्होंने सामाजिक कुरीतियों और छुआछूत के खिलाफ संघर्ष कर समाज में बदलाव लाने का कार्य किया। 1946 में वे पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की अंतरिम सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बने और बाद में श्रम मंत्री के रूप में पहले भारतीय मंत्रिमंडल में भी शामिल हुए, जहाँ उन्होंने भारत में कई श्रम कल्याण नीतियों की नींव रखने का काम किया।

वक्फ अधिनियम में संशोधन के खिलाफ लोगों का प्रदर्शन

छपरा। शहर के नगर पालिका चौक पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय ने वक्फ अधिनियम में किए गए संशोधनों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। 'न्याय-पीपल फॉर फाइटिंग' संस्था के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व संस्था के संस्थापक सुलतान इदरीश ने किया। लोगों ने केंद्र सरकार पर वक्फ संपत्तियों के अधिकारों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुराना वक्फ अधिनियम बहाल करने की मांग की। एक दर्जन से अधिक लोगों ने चौक पर बैठकर नारेबाजी की। लोगों का कहना था कि सरकार का यह कदम मुस्लिम समुदाय के धार्मिक और सामाजिक अधिकारों का हनन है।

डॉ. धीरज की पुस्तक राज्य के भौतिकी के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी: मनोज बाजपेयी

केटी न्यूज/छपरा

सारण जिले के सदर प्रखंड स्थित के मंगुराहा में शनिवार को विशेष समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी ने बिहार विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धीरज कुमार सिंह की पुस्तक बेसिक ऑफ फिजिक्स का विमोचन किया।

मनोज बाजपेयी ने कहा कि जटिल विषयों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना बड़ी उपलब्धि है। डॉ. धीरज ने यह कार्य सफलतापूर्वक किया है। यह पुस्तक भौतिकी के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। छपरा के प्रभुनाथ नगर निवासी डॉ. धीरज(32) वर्तमान में हाजीपुर के एमएसएम समता कॉलेज में भौतिकी के सहायक प्राध्यापक हैं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप यह पुस्तक तैयार की है। इसमें भौतिकी की मूल अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाया गया है। स्थायित्व शिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित यह पुस्तक शिक्षकों और शोधकताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ मानी जा रही है। कार्यक्रम में सारण विकास मंच के संयोजक शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शिक्षाविद ज्ञानदेवमणि त्रिपाठी और जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. नारायण दास समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। शिक्षाविद त्रिपाठी ने कहा कि यह पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

सांसद ने धोबहां में वशिष्ठ नारायण सिंह पथ व शाहपुर से महुआंव रोड का किया शिलान्यास

खुशखबरी: शाहपुर से महुआंव तक 10.78 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 10.6 किमी लंबी सड़क

केटी न्यूज/आरा

सांसद सुदामा प्रसाद ने धोबहां में वशिष्ठ नारायण सिंह पथ व शाहपुर में शाहपुर से महुआंव रोड का शिल्यानस किया। वशिष्ठ नारायण सिंह पथ धोबहां से सारशिवान तक पौने छह करोड़ की लागत से 5.7 किमी सड़क बनेगी और शाहपुर से महुआंव तक 10.6 किमी की सड़क 10.78 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी।

सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि ये सड़क आम-अवाम का चिर प्रतीक्षित मांग था। जिसके लिए हम लोगों ने अथक प्रयास किया और काम शुरू हो गया। आगे जितने भी सड़क और विकास का कार्य हैवो होगा। हम लोगों का प्रयास रहेगा की किसी भी सड़क में गाढ़ा नही रहेगा। उन्होंने कहा कि हम लोग जिले के विकास व जनता की आवाज को सदन तक पहुंचाने के लिए जीवनपर्यंत कार्य करता रहूंगा। शाहपुर के शिलान्यास के कार्यक्रम में स्थानीय माननीय विधायक राहुल तिवारी मौजूद थे।

शोक संतप्त परिजनों से मिले सांसद: वहीं, शाहपुर के माले प्रखंड सचिव हरेंद्र सिंह के पत्नी का बीमारी के कारण कल देहांत हो गया था। सांसद सुदामा प्रसाद ने उनके गांव पहुंच कर श्रद्धांजलि दिए और शव यात्रा में शामिल हुए। जिसके बाद बेलवनियां में कर्ज के दबाव के कारण अरविंद प्रसाद के चार बच्चों की जहर खाने से मौत हो गई थी परिजन से मिले घटना की जनकारी ली। शाहपुर के झौवां में दुर्घटना में मृत राजकिशोर राम के परिवार से मिले और अधिकारियों से मुआवजा के लिए बात कर मुआवजा देने की गारंटी किया। इस पर सुदामा प्रसाद ने इन घटनाओं पर दुख व्यक्त किया और कहा कि दुख की घड़ी में पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। जितनी जरूरत होगी सहयोग किया जाएगा।

इस दौरान विजय ओझा, अयोध्या सिंह, दिलराज प्रीतम, चन्दन कुमार, सूरज कुमार, मदन सिंह, किसान नेता हरेराम सिंह, जनार्दन गोड, विनोद चौधरी सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

सुभाषितम्

गर्व लक्ष्य को पाने के लिए किए गए प्रयत्न में निहित है, ना की उसे पाने में।
- महात्मा गांधी

वक्फ बिल से बिहार में बनेगी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार?

मोदी सरकार द्वारा पारित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 ने देशभर में राजनीतिक बवाल पैदा कर दिया है। बिहार में इसका असर विशेष रूप से देखने को मिला है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू में असंतोष की लहर तेज हो गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मोहम्मद कासिम अंसारी ने इस बिल के विरोध में पार्टी के 5 बड़े मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। बिहार जेडीयू में बगावत के संकेत देखने को मिल रहे हैं। नीतीश कुमार की धर्मनिरपेक्ष छवि को राष्ट्रीय स्तर पर बडा झटका लगा है। नीतीश कुमार की पहचान धर्म निरपेक्षता का ध्वज वाहक माना जाता है। वक्फ बिल पर उनका रुख मुस्लिम समुदाय को रास नहीं आया। जेडीयू सांसदों द्वारा लोकसभा में वक्फ बिल का समर्थन किए जाने से मुस्लिम मतदाताओं में देश भर में बड़ी नाराजगी देखने को मिल रही है। जेडीयू के मुस्लिम नेताओं द्वारा इस बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी शुरू कर दी है। जेडीयू के भीतर इस फैसले के बाद बड़े पैमाने पर बगावत की स्थिति बन गई है। दोनों सदनों में इस बिल को लेकर पुरजोर तरीके से तथ्यों को रखा। पक्ष और विपक्ष ने अपने-अपने तरीके से तर्क रखे। सदन में बहस के दौरान दोनों ही पक्षों में गहमा-गहमी बनी रही। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों का असर संसद के दोनों सदनों में देखने को मिला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने ठाकुर के आरोप को खारिज करते हुए, इस्तीफे की पेशकश करके भाजपा के लिए चुनौती पैदा कर दी। लोकसभा में राहुल गांधी, अखिलेश यादव ने सरकार की नीयत पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, भाजपा इस बिल के जरिए मुस्लिम समुदाय को हाशिए पर धकेलने और धार्मिक ध्रुवीकरण के बल पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। वक्फ बिल का सबसे बड़ा असर बिहार के सियासी समीकरण पर देखने को मिल रहा है। बिहार में मुस्लिम और पिछड़े वर्गों की राजनीति के नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। आरजेडी के तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे पर भाजपा और जेडीयू पर हमलावर है। जेडीयू इस मामले में दो भागों में बंट गई है। यह माना जा रहा है, भाजपा के इस सियासी दांव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक ही झटके में निपटा दिया है। बिहार के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का कोई वजूद नहीं रह जाएगा। विधानसभा चुनाव के पहले जदयू के नेता बगावत करके भाजपा की सदस्यता लेकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्हें हिंदू ध्रुवीकरण की राजनीति का लाभ मिलेगा। वहीं भाजपा को नितीश बाबू की राजनीति से छुटकारा मिलेगा। जिस तरह से दिल्ली में आम आदमी पार्टी को ठिकाने लगाकर भाजपा सत्ता में काबिज हुई है। वैसे ही बिहार में नितीश बाबू को ठिकाने लगाकर भाजपा ने अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है। यह बिल बिहार में महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बनने जा रहा है।भाजपा इस बिल को मुस्लिम समाज के हित में बताने का दावा कर रही है। सही मायने में भाजपा बिहार की राजनीति मे मुस्लिमो को अलग-थलग करने के लिए तथा हिंदू वोटो को एकजुट करने का प्रयास हैं। यह सफल होता दिख रहा हैं। विपक्ष इसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बता रहा है। कांग्रेस, आरजेडी और सपा समेत सभी विपक्षी दल इस बिल को संविधान विरोधी बता रहे हैं। इस बिल को न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। बिहार में वक्फ बिल के झटके से नीतीश कुमार की धर्मनिरपेक्ष छवि को बड़ा नुकसान हुआ है। नितीश बाबू से मुसलमान भी छिटक गए। हिंदू वोट भी उनसे दूर होकर भाजपा के पक्ष में बिहार के पक्ष में जाएगा। बिहार विधानसभा का चुनाव वर्तमान स्थिति में काफी दिलचस्प हो गया है। आने वाले दिनों में इसका असर हिंदुओं को एकजुट करेगा। बिहार में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगीश, ऐसा विश्वास भाजपा के नेताओं को है। जदयू में जिस तरह की सेंध भाजपा ने लगाई है। मुसलमानों को वक्फ बिल के जरिए हिंदुओं के बीच जो चेतना जगाई है।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है। उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्र का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया। कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

रामनवमी: मर्यादा, न्याय और धर्म की विजय का पर्व

योगेश कुमार गोयल

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ रामनवमी का त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 6 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया। महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मयार्दा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखां की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया। कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें मयार्दा पुरूषोत्तम कहा गया। जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मयार्दाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था। मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी।

भाजपा: लोकमंगल के संकल्प की एक अनुपम यात्रा

भविष्णु दत्त शर्मा

स्वाधीनता के बाद 1951 **में जब** पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ बनाया था तबविरोधीउनकी हँसी उड़ाते थे कि ये क्या राजनीति करेंगे और जब 1980 में भाजपा की स्थापना हुई तो उनके ताने बढ़ते गये। उस दौर में अटल जी ने कहा था- अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज भाजपा सारी चुनौतियों को ध्वस्त करके भारतीय राजनीति की धुरी बन चुकी है, केंद्र सहित डेढ़ दर्जन राज्यों में सरकार है औरसबसे पुरानी पार्टी का दावा करने वाले पारिवारिक गिरोह न केवल सत्ता को तरस रहे हैं बल्कि अपनी तथाकथित पारंपरिक सीटें भी गँवा बैठे हैं। अपनी 45 वीं वर्षगांठ मना रही भाजपा ने भारत की राजनीति में जो रास्ता चुना था, उस पर चलकरइसने सारी दुनिया को चकित किया है। पार्टी ने आज देश को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, अपराधीकरण, जातिवाद, तुष्टिकरण, आतंकवाद जैसे घावों से मुक्ति दिलाईहै। साथ ही उन सभी मुद्दों को हल करके राजनीति में नया अध्याय लिख चुकी है, जिनकापार्टी ने अपनी स्थापना के समय संकल्प लिया था। कश्मीर में धारा 370 की विदाई या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण से लेकर वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव तक के सभी संकल्प भाजपा ने पूरे किये हैं। अपनी कथनी और करनी से आज यह सर्वाधिक विश्वसनीय पार्टी बनी है तथाजिसकोकरोड़ों लोगों ने अपनाकर विश्व का सर्वोच्च दल बनाया है। आज की पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि 1980 के दशक का कालखंड भारतीय राजनीति का टर्निंग प्वाइंट था, जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। देश के राष्ट्रवादी समूहों ने एक सपना देखा था, जिसमें भारतीय गौरव की पुनर्स्थापना, भारत के आध्यात्मिक उत्कर्ष, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के विचार-बीज थे। आज वे बीज फलदार बृक्ष हो चुके हैं। 45 साल में वे सारे सपने साकार हो चुके हैं। राजनीतिक क्षेत्र में यह आश्चर्य का विषय हो गया है कि कैसे एक पार्टी 2 सीटोंसे अपनी यात्रा शुरू करते हुए सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी पार्टी बनकर आज राजनीति के प्रतिमान बदल रही है। पार्टी विद डिफरेंस के नारे को मूर्त रूप देकर कार्यकताओं ने सारी दुनिया को सियासत का अनूठा स्वरूप दिखाया है। हालांकि भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका अतीत भारतीय जनसंघ से जुड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के बादबढ़ते अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज, राष्ट्रीय असुरक्षा, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक मुद्दों के गर्भ से जनसंघ का जन्म हुआ था। आपातकाल के बाद भाजपा की स्थापना सुदृढ़, सशक्त, समृद्धएवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु की गई थी, जिसमें पार्टी ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्यों से प्रेरणा लेकरविश्व गुरू के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। साथ ही संविधान सम्मत सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, समान अवसर सुनिश्चित हो। पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म-मानवदर्शन को अपना वैचारिक दर्शन मानते हुए भाजपा ने अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा के संकल्प पर चलते हुए 45 सालकी अनुपम यात्रा पूरी की है। इस यात्रा में दीनदयाल जी के अंत्योदय से लेकर मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास जैसा अद्वितीय संकल्प पूर्ण हुए हैं। भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अन्तर्गत गरीबी मिटाना केवल नारा नहीं, उसका संकल्प था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कोई भाषण नहीं, प्रतिबद्धता थी। कश्मीर में 370 की समाप्ति चुनावी जुमला नहीं, राष्ट्रीय एकात्मताका साक्षात संकल्प था। अन्त्योदय स्लोगन नहीं, यह गरीबों का जीवन स्तर उठाने का प्रण था, जिसे पार्टी का हर कार्यकर्ता 1980 से लेकर अब तक पूर्ण करने में सक्रिय हैं। अटल जी की सरकार द्वारा विपरीत परिस्थितियों में परमाणु परीक्षण हो, कारगिल विजय हो या नरेंद्र मोदी जी द्वारा कश्मीर में 370 की समाप्ति हो, श्रीराम मंदिर निर्माण हो या वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव हो, ये भाजपा की राजनीति में वे मील पत्थर हैं, जो संकल्प से सिद्धि का मंत्र बनकर पीढियों को प्रेरित करते रहेंगे।

आज स्थापना दिवस के प्रसंग में भाजपा के उत्कर्ष में अमूल्य योगदान देने वाले नेतृत्व की चर्चा जरूरी है। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक पार्टी नेताओं ने संकल्प और साहस का नया इतिहास रचा है। भारत को परमाणु शक्ति बनाने से लेकर चंद्रयान-मंगलयान की यात्रा तक की उपलब्धि चुनावी राजनीति से अलग एक अदम्य साहस और देशभक्त नेतृत्व का प्रमाण है।2014 से लेकर 2025 तक गरीबों के मसीहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने अपने सभी संकल्पों को एक-एक करके पूर्ण करते हुए भारत को सशक्तबनाया है।आज भारत के लगभग सभी तीर्थ केंद्र विकास का नया प्रतिमान गढ़ रहे हैं। निरंतर उपेक्षा का दंश झेल रहे हमारे प्राचीन आध्यात्मिक केंद्रोंका गौरव भी पुनर्स्थापित हुआ है। यही नहीं, भाजपा ने अपने वैचारिक आचरण से देश की राजनीतिक संस्कृति को भी बदला है।एक ओर जहां परिवारवादी, तुष्टिकरण और जातिवादी राजनीति का दौर समाप्त हो गया, वहीं अब धर्म-संस्कृति की बात करना सांप्रदायिक होना नहीं है। राष्ट्रवाद की चर्चा अब संकुचित मानसिकता का परिचायक नहीं है। सरकार की ओर से देवालयों का विकास करना, अब ध्रुवीकरण नहीं है। भारतीयता की बात करना और मातृभाषा में काम करना अब पिछड़ापन नहीं है। हिन्दुत्व का विचार अब सर्वग्राही बन गया है। अपनी प्रखर व प्रतिबद्ध कार्यशैली से भाजपा ने देश के राजनीतिक विमर्श को परिवर्तित करने में ऐतिहासिक सफलता पायी है। इस पड़ाव पर भाजपा अपनी पंचनिष्ठाओं की नींव पर न केवल गर्व सेस्वयं खड़ी है बल्कि उसके सहयोगी दल भी उसके साथ कंधा मिलाकर खड़े हैं। अभी-अभी वक्फ बोर्ड कानून संशोधन मामले में सारी दुनिया ने देखा है। राज्य भाजपा इकाई का अध्यक्ष होने के नाते अपने अनुभव से कह सकता हूं कि विजन, संगठन, नेतृत्व और कार्यकर्ता- इन चारों अंगों के कारण भाजपा कैडर आधारित पार्टीबनी है। अटल जी, लालकृष्ण आडवानी जी, नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और जय प्रकाश नड्डा तक पार्टी का नेतृत्व करने वाले अनेक लोग इसी कैडर की गंगोत्री से निकले हैं। आज नरेंद्र मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व ने भाजपा के विजन और संगठन का अतुल्य विस्तार किया है तो पार्टी की विकास- यात्रा में गृह मंत्री अमित शाह का योगदान भी स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी ने असंभव को संभव किया है और आज पूर्वोत्तर भारत में भी भाजपा की सरकारें हैं, तो उसके पीछे अमित शाह जी का परिश्रम और संकल्प ही है। उनके नेतृत्व में पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा दल बनने का गौरव भी मिला है। इस प्रसंग में यह भी कहना चाहिए कि गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल पार्टी को शिखर पर पहुंचाया है, अपितु कश्मीर को 370 से मुक्त कराकर, नागरिकता कानून व वक्फ कानून में संशोधन कराकर देश की राष्ट्रीय अखंडता का आदर्श प्रतिमान गढ़ा है।

वक्फ के जरिए भाजपा बिहार, बंगाल जीतने की जुगत नें भाजपा

दिलीप कुमार पाठक

केंद्र सरकार का वक्फ संशोधन बिल पारित होना भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर तंज कसते हुए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। बिल में पसमांदा समाज समेत विभिन्न मुस्लिम समूहों को शामिल करके सेकुलर छवि को बढ़ाने की कोशिश की गई है। दोनों सदनों में भाजपा का अपना बहुमत न होने के बाद भी ये बिल दोनों सदनों में पारित हो जाना भाजपा की ताकत को दशार्ता है। विपक्ष हमेशा इखढ पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाता रहा है। इस बिल के जरिए इखढ ने अपनी सेकुलर पिच तैयार की है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार कहा कि यह देश सेकुलर है, हम सेकुलर हैं और यह बिल सेकुलर है। रिजिजू ने कहा कि हम वक्फ बोर्ड को धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बनाना चाहते हैं। इखढ इसके जरिए अब विपक्ष के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। भाजपा दिखा रही है कि विपक्ष की सेकुलर की परिभाषा गलत है और सही मायनों में इखढ सेकुलर है। इखढ सिर्फ इस पिच पर ही नहीं खेल रही बल्कि अपनी सोशल इंजीनियरिंग को भी मजबूत कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भी उसने मुस्लिमों के बीच सोशल इंजीनियरिंग शुरू की थी। पहले ट्रिपल तलाक पर बैन के जरिए मुस्लिम महिलाओं को साथ लाने की कोशिश की, फिर पसमांदा मुस्लिमों पर फोकस किया। दर-असल लोकसभा चुनाव में भाजपा का बहुमत से चूक जाने के बाद लग रहा था, भाजपा नीतीश कुमार - चंद्रबाबू नायडू को मनाने में ही जुटी रहेगी। शायद ये दोनों सरकार को अपने तरीके से चलाने में हस्तक्षेप करेंगे, लेकिन ये बिल पारित होने के बाद अब तस्वीर साफ हो चुकी है कि भाजपा की एनडीए में अभी जबरदस्त पकड़ बनी हुई है। विपक्ष को मोदी सरकार से निपटने के लिए कोई ठोस रणनीति बनाना चाहिए इस तरह के जुगाड़ वाली राजनीति से पार पाया नहीं होगा। कांग्रेस जो लोकसभा के बाद एकदम चार्ज हो गई थी वो अब थोड़ा सुस्त पड़ गई है जबकि हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली जीतकर ये बिल पास करने के बाद भाजपा के कार्यकताओं में मानसिक बढ़त देखी जा रही है। भाजपा ने आजतक किसी भी ऐसे विवादित बिल को पारित करने में जो तत्परता दिखाई है, इससे साफ जाहिर होता है भाजपा हमेशा अपना राजनीतिक एजेंडा साधकर चलती आई है। वहीं अब ये भी कयास लगाए जा रहे की इस बिल के पारित हो जाने के बाद भाजपा को इसका क्या फायदा होगा? 1995 के वक्फ एक्ट में संशोधन और 1923 के मुसलमान वक्फ एक्ट को निरस्त करने की पहल वास्तव में भाजपा की एनडीए सरकार के लिए आर्टिकल 370 को निरस्त करने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की तरह वैचारिक एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वक्फ बिल पास कराना मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का अब तक का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। अपने तीसरे कार्यकाल की सत्ता संभालते ही मोदी सरकार ने वक्फ कानूनों में फेरबदल करने के लिए तेजी से काम करना शुरू कर दिया था। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्तियां कम हो जाएंगी और वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति पर बिना सत्यापन आधिपत्य घोषित नहीं कर सकेगा। वक्फ संशोधन बिल के पास होने से भाजपा को क्या फायदा होगा तो इसे इस तरह से समझते हैं। इसी साल दिल्ली चुनाव में मिली जीत के बाद अब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है और इस चुनाव का पूरा पिच जाति की जगह धर्म पर शिफ्ट होगा और इसे भुनाने का भाजपा के पास खास मौका है ताकि मुस्लिम वोट एनडीए के खाते मे आए।

आज का राशिफल

मेष - कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव हो सकते हैं। ऑफिस में प्रशंसा मिलने से आपके सहकर्मी परेशान हो सकते हैं।

तुला - आज शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने की संभावना है।

वृषभ - आज का दिन संतोष और शांति का है। आपको राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृश्चिक - आज आर्थिक लाभ के योग हैं और आपके धन सम्मान में वृद्धि होने से मन प्रसन्न होगा।

मिथुन - पिता के आशीर्वाद और अधिकारियों की कृपा से कोई मूल्यवान वस्तु या संपत्ति मिल सकती है।

धनु - आज लाभ होगा और आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। घर के सामान पर धन खर्च होगा।

कर्क - आज दिन बहुत अच्छा है और आपको ग्रहों की शुभ दशा से आपको अचानक धन लाभ हो सकता है।

मकर - आज आपका रवैया दूसरों के साथ उनके रिश्तों को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

सिंह - आज राजनीतिक क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी और आपको हर मामले में भाग्य का साथ मिलेगा।

कुंभ - सहयोगी आपकी बात नहीं मानेंगे। आपको किसी को भी सलाह देने से बचना चाहिए।

कन्या - आज दिन सफलता से भरा होगा और आपका हर कार्य सिद्ध होगा। अपने कार्यों में तेजी लाने से लाभ होगा।

मीन - बिजनेस में सफलता मिलेगी। वे असंभव लगने वाले लक्ष्य को पाने की कोशिश करेंगे।

विशेष

नेपाल में राजशाही-भारत हिंदूशाही

नेपाल में हिंदू राजा का राज हो। इसके लिए नेपाल में आंदोलन शुरू हो गया है। पड़ोसी देश नेपाल में हिंदू स्वयंसेवक संघ राजा को राज सिंहासन पर बैठना चाहता है। इसके लिए आंदोलन आंदोलन चलाया जा रहा है। भारत में नई संसद बनी है। नई संसद में राज दंड पहले ही स्थापित हो गया है। संसद के दोनों सदनों में वक्फ विल पास हो गया है। भारत के मुसलमानों को हिंदू छत्रछाया में लाने के लिए वक्फ बोर्ड पर हिंदुओं का कब्जा हो गया है। भारत में भी हिंदू शाही स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। वक्फ बोर्ड में अब हिंदूओं की सत्ता होगी। भारत में रामराज के लिए हिंदूशाही की स्थापना होगी। राज दंड पहले ही स्थापित हो चुका है। राजा के राजतिलक भी जल्द होगा, ऐसा कहा जा रहा है।

नवीन के बाद नितीश बाबू का जाना तय

भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा के चुनाव में उड़ीसा के बीजू जनता दल को पूरी तरह से ठिकाने लगा दिया है। नवीन पटनायक के सबसे विश्वस्त सहयोगी नौकरशाह को भाजपा ने अपने साथ मिला लिया था। नवीन पटनायक अपने नेताओं से पूरी तरह से कट गए थे। पार्टी की कमान भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर को सौंप दी थी। विधानसभा चुनाव में बीजू जनता दल की करारी पराजय हुई। उड़ीसा का खेल अब बिहार में शुरू हो गया है। जनता दल यू के दो विभीषण भाजपा के साथ मिलकर नितीश बाबू को ठिकाने लगा रहे हैं। वक्फ बिल को पास कराने जनता दल यू ने समर्थन किया है। बिहार में बगावत हो गई है। बिहार से नितीश बाबू और जनता दल वक्फ बिल को समर्थन देने के कारण पूरी तरह से साफ हो गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1606 शहजादा खुसरू ने अपने पिता जहांगीर के खिलाफ बगावत की. 1890 विमान डिजाइनर एंथनी फोकर का जन्म . 1897 जंजीबार के सुल्तान ने दास प्रथा समाप्त करने का हुक्म दिया. 1917 अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1919 रोलट एक्ट के खिलाफ गांधीजी ने अखिल भारतीय हड़ताल का आहवान किया. 1930 गांधीजी को नमक कानून तोड़ने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया. 1942 जापानी विमानों ने भारत पर पहली बार बमबारी की. 1948 ईस्ट अफ्रीका की संसद की पहली बैठक नेरोबी में हुई. 1966 प्रसिद्ध तैराक मिहिर सेन ने पाक जलडमरु मध्य तैरकर पार किया. 1988 मुस्लिम छापामारों ने काबुल तथा तीन और शहरों पर प्रक्षेपास्त्रों और राकेट से हमले किए. 1990 अमेरिका के खोजी राबर्ट ई. पियरी उत्तरी श्रुव पहुंचे. 2004 पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल का निधन.

दैनिक पंचांग

6 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

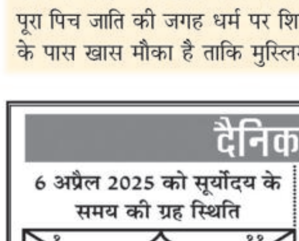

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.15 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	07.55 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.53 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.07 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.23 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.35 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.46 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.00 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.16 बजे से
		मकर	01.21 बजे से
		कुंभ	03.08 बजे से
		मीन	04.41 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 96 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 19.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य अहोरात्र।
योग सुकर्मा 18.55 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.20 बजे तदनन्तर कौलव 19.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 28'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872306
जूलियन दिन 2460771.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 07
विशेष श्रीराम नवमी, स्वामीनारायण जयंती, महातारा जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में बदलता रहेगा मौसम, आईएमडी जारी ने किया अगले 15 दिनों का अनुमान

धनबाद, एजेंसी। झारखंड का मौसम नरम-गरम बना हुआ है। आंशिक बादल छाने से धूप की तपिश थोड़ी कम हुई है। पर वर्षा नहीं होने से उमस बढ़ गई है। शनिवार को राज्य के अलग-अलग हिस्से में गर्जन व वज्रपात के साथ आंधी व ओला वृष्टि की संभावना है। इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। धनबाद में भी इसका असर दिख सकता है। इसके बाद एक-दो दिनों तक गर्मी फिर असर दिखाएगी। दो दिन बाद मौसम के फिर रंग बदलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने सात से नौ अप्रैल के दौरान बादल छाए रहने व वर्षा की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने अगले 15 दिनों का पूर्वानुमान जारी किया है कि चार से 10 अप्रैल के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में गर्जन-वज्रपात के साथ वर्षा हो सकती है। वर्षा सामान्य से कम होगी। 11 से 17 अप्रैल के बीच सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। अगले पखवाड़े तक अधिकतम तापमान के भी 40 डिग्री के ऊपर जाने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, जामताड़ा समेत कई जिलों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 की रफ्तार से आंधी चलने और गर्जन-वज्रपात की संभावना जताई है। इस दौरान लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है। किसानों के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं।

बाल गृह से फरार नाबालिग पांच घंटे में बरामद, ओडिशा का रहने वाला है बालक

पलामू, एजेंसी। जिले के बाल गृह से फरार होने वाले एक नाबालिग को पांच घंटे के अंदर बरामद कर लिया गया है। शुक्रवार की शाम पांच बजे के करीब पलामू के मेदिनीनगर में संचालित बाल गृह से एक नाबालिग फरार हो गया था। बाल गृह की तरफ से पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई थी। पुलिस बच्चे की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में मेदिनीनगर के बेलवाटिकर के रहने वाले एक व्यक्ति ने अंजान नाबालिग के बारे में पुलिस को जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग को बरामद किया। दरअसल, नाबालिग ओडिशा के भद्रक का रहने वाला है। शुक्रवार की सुबह रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा नाबालिग को बाल गृह को दिया गया था। जबकि नाबालिग की जानकारी परिजनों को दी गई थी। इसके लिए परिजन भी पलामू के लिए रवाना हो गए थे। इसी क्रम में शुक्रवार की शाम बाल गृह के कर्मियों को चकमा देकर नाबालिक फरार हो गया था। बाल गृह की टीम और पुलिस नाबालिग की तलाश में विभिन्न रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड में अभियान चला रही थी। शुक्रवार की रात करीब 9 बजे नाबालिग को बरामद कर लिया गया और वापस बाल गृह भेज दिया गया। पलामू के मेदिनीनगर में बाल गृह का संचालन दो नंबर टाउन के इलाके में होता है। पूरे मामले की जानकारी अधिकारियों को भी दी गई थी।

कैंडल मार्च के बाद हंगामा, नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को खुद सजा देने पर अड़े लोग

पलामू, एजेंसी। मेदिनीनगर में 10 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर शुक्रवार की शाम कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च के बाद लोगों ने जमकर हंगामा किया। कैंडल मार्च में शामिल भीड़ अस्पताल की ओर बढ़ रही थी। भीड़ घटना के आरोपियों को सजा देना चाहती थी। जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने पूरी भीड़ को रास्ते में ही रोक लिया। वरीय पुलिस अधिकारियों और लोगों के समझाने के बाद भीड़ शांत हुई और वापस लौट गई। दरअसल, दो अप्रैल को मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय नाबालिग की दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। नाबालिग के पड़ोस में रहने वाले टिंकू शर्मा पर घटना का आरोप लगा था। स्थानीय लोगों ने आरोपी की बुरी तरह पिटाई भी की थी। जिसके बाद टिंकू शर्मा को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टिंकू शर्मा का इलाज पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है। शुक्रवार को लोगों ने पीड़िता के घर के पास कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान भीड़ अस्पताल की ओर बढ़ने लगी। भीड़ आरोपी को खुद ही सजा देना चाहती थी। जिसके बाद पुलिस ने बीच-बचाव कर भीड़ को रोका। कैंडल मार्च में शामिल कुछ लोगों ने भी भीड़ को समझाया।

अगर बीजेपी मुस्लिम महिलाओं की हितैषी तो बिहार चुनाव में 12-15 फीसदी सीट करें रिजर्व: शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, एजेंसी। लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन विधेयक पास हो जाने के बाद से कांग्रेस केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर है. आज रांची स्थित कांग्रेस भवन में झारखंड सरकार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू और कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा पर वक्फ कानून में संशोधन मामले में भ्रम फैलाने और गलत नैरेटिव सेट करने की बात कही है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पूरे भारत में 27त्र अल्पसंख्यक हैं, आज वक्फ कानून में संशोधन कर वह मुसलमानों के हक और अधिकार छीन रही है, जबकि उसकी इच्छा सभी अल्पसंख्यक समुदाय का हक छीनने की है. वक्फ कानून में संशोधन के माध्यम से इसकी शुरुआत जरूर की गई है, पर यह प्रयास सभी अल्पसंख्यकों की जमीन को हड़पने की है।

अगर भाजपा मुस्लिम महिलाओं की हितैषी है तो बिहार चुनाव में उसके लिए 12-15त्र आरक्षण सुनिश्चित करे- शिल्पी नेहा : झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भाजपा ने देश के लोगों के सामने सिर्फ झूठ परोसा है, भाजपा के लोग कहते हैं कि इस बिल के माध्यम से मुसलमानों का उत्थान करना चाहती है, लेकिन असलियत यह है कि केंद्र की सरकार और भाजपा सिर्फ दिखावा करती है. इस बिल के माध्यम से भाजपा की सरकार यह साबित करना चाहती है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है।शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वह दिखाना चाहते हैं कि अगर कोई भाजपा के साथ नहीं रहेगा तो उसे देश छोड़ देना होगा. कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं कि यह बिल मुस्लिम महिलाओं के हित में है पर हकीकत ये है कि भाजपा के पास कोई भी महिला मुस्लिम विधायक या और सांसद नहीं है।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अगर भाजपा मुसलमान महिलाओं की इतनी ही कद्र करती है तो आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं के लिए कम से कम 12 -15त्र सीट आरक्षित करें।

रघुवर दास की सरकार में लैंड बैंक के नाम पर आदिवासियों के सरना-मसना की जमीन भी चिंहित कर ली गयी थी: कृषिमंत्री : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन प्रस्ताव पर सदन में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री में कहा कि संशोधन से आदिवासियों की जमीन बची रहेगी, जबकि हकीकत यह है कि यह है कि रघुवर दास के राज में भूमि बैंक के नाम पर आदिवासियों की मसना-सरना तक की जमीन ले ली गयी और 201 से अधिक स्न्ह्व कर अपने उद्योगपति मित्रों में वह देने की योजना बना ली गयी थी।

सीएनटी-एसपीटी से ही हमारी जमीन प्रोटेक्टेड है- बलमुचू : पूर्व राज्यसभा सांसद और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू ने कहा कि एक ओर रघुवर दास कहते हैं कि कांग्रेस और झामुमो मुस्लिम तुष्टिकरण करती है और दूसरी ओर संसद में इनके मंत्री कहते हैं कि हम मुस्लिम आबादी को मजबूत कर रहे हैं. यह तो विरोधाभास बात है. उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में बदलाव से शेड्यूल एरिया की जमीन सुरक्षित हो जाने की बात गलत है. हमारी जमीन एसपीटी और सीएनटी कानून से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि भाजपा के लोगों ने ही आदिवासियों की जमीन हड़पी है. भाजपा का आदिवासी प्रेम धोखा है. जबकि हकीकत यह है कि एक समुदाय विशेष की जमीन लेकर उसे कमजोर करना चाहती है।

राज्य में लंबे दिनों तक भाजपा ने किया शासन, एक भी काम आदिवासियों के हित में नहीं- बंधु तिर्की : राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि अगर भाजपा आदिवासियों की हितैषी है तो वह बताए कि भाजपा शासित प्रदेशों में जनजातीय लोगों की जमीन संरक्षण के कानून को हल्का क्यों किया जा रहा है. बंधु तिर्की ने कहा कि राज्य में सबसे अधिक दिनों तक राज भाजपा ने किया है, वह बताएं कि उन्होंने आदिवासियों के हितों के लिए क्या-क्या किया है? बंधु तिर्की ने कहा कि रघुवर दास के हाथी उड़ाने का कार्यक्रम भी पांचवी अनुसूची के खिलाफ था. इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक नमन विक्सल कोंगारी, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति और जगदीश साहू आदि उपस्थित थे।

जुगसलाई थानेदार समेत आठ पुलिसकर्मी सस्पेंड

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर के जुगसलाई में एक आर्मी जवान के साथ बदसलूकी कर जेल भेजने के मामले में थाना प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जोनल आईजी की जांच रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की गई है। पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस मुख्यालय की ओर से इसकी पुष्टि की गई है। निलंबित हुए थानेदार समेत आठ पुलिसकर्मी जुगसलाई थाने में कार्यरत हैं।

क्या है पूरा मामला : जुगसलाई थाना क्षेत्र में बीते 14 मार्च यानी होली के दिन एमई स्कूल रोड के पास स्थित एक मंदिर के पास से गुजर रहे कपाली थाना प्रभारी के साथ रंग लगाने को लेकर स्थानीय युवकों के साथ विवाद हो गया। इस स्थानीय युवकों में आर्मी में कार्यरत जवान सूरज राय अपने चचेरे भाई विजय राय के साथ वहां मौजूद थे। जवान सूरज ने जुगसलाई पुलिस पर आरोप लगाया कि थाना में लाने के बाद उन्हें और उनके चचेरे भाई के साथ बदसलूकी की गई। उन्हें पीटा भी गया। सेना में कार्यरत होने की जानकारी देने के बाद भी पुलिस उनकी पिटाई कर जेल भेज दिया।

मामले की जांच बाद हुई कार्रवाई : इस घटना की जानकारी पाकर पूर्व सैनिक सेवा परिषद जुगसलाई थाना पहुंचे। पूर्व सैनिक ने कहा कि अगर जवान सूरज ने कोई गलती की है तो इसकी जानकारी पुलिस स्टेशन हेड क्वार्टर एवं स्थानीय आर्मी यूनिट को दिया जाना चाहिए था। लेकिन पुलिस ने आननफानन में केस दर्ज करते हुए कार्यरत जवान सूरज को जेल भेज दिया गया। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

इधर, कोल्हान डीआईजी जुगसलाई थाना पहुंचकर मामले की जांच की। डीजीपी के निर्देश पर जोनल आईजी अखिलेश झा भी घटना की जांच की। मामले में डीजीपी ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई का आदेश दिया। जिसके बाद जमशेदपुर एसएसपी किशोर कौशल ने जुगसलाई थाना प्रभारी सचिन कुमार दास समेत आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

नक्सलियों ने की फायरिंग, एक मजदूर को लगी गोली

लातेहार, एजेंसी। जिला के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत हड़गड़वा गांव के पास पीएलएफआई के उग्रवादियों ने जमकर उत्पात मचाया। उग्रवादियों ने ईंट भट्ठा और क्रशर को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग भी की। इस घटना में एक मजदूर को गोली लग गई। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद अपराधियों ने एक पर्चा छोड़कर घटना की जिम्मेवारी ली है।

फायरिंग में एक मजदूर को लगी गोली : दरअसल, शुक्रवार की देर रात हथियारबंद उग्रवादी ईंट भट्ठा के पास पहुंचे। उग्रवादियों ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी की घटना में एक मजदूर के कमर में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उग्रवादी क्रशर के पास पहुंचे और वहां भी जमकर गोलियां चलाई । इस दौरान उग्रवादियों ने मजदूरों से मोबाइल छीन लिया। गोली चलाने के बाद उग्रवादी एक लिखित पर्चा घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। पर्चा पीएलएफआई संगठन और सूर्या कुजूर के नाम से है, जिसमें स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि संगठन से संपर्क करने के बाद ही कोई काम करें।

मौके पर पहुंची पुलिस : उग्रवादियों के जाने के बाद कर्मियों ने इसकी सूचना ईंट भट्ठा मालिक और पुलिस को दी। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रणधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल मजदूर लोहरदगा निवासी अलीम अंसारी को तत्काल अस्पताल भेजा गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया।

इधर घटना के बाद पुलिस की टीम पूरे इलाके को सील कर उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी आरंभ कर दी है। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर डीएसपी अरविंद कुमार और थाना प्रभारी रणधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके की नाकेबंदी कर छापामारी आरंभ कर दी है।

लेवी के लिए दिया गया घटना को अंजाम : बताया जाता है कि उग्रवादियों के द्वारा रंगदारी के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापामारी अभियान भी चलाई जा रही है।

स्पीड ट्रेन का ट्रायल रन, चार घंटे में पूरी होगी दीनदयाल उपाध्याय से धनबाद स्टेशन की दूरी

कोडरमा, एजेंसी। दिल्ली हावड़ा ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन पर दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन से धनबाद रेलवे स्टेशन तक 404 किलोमीटर की यात्रा अब महज 4 घंटे में पूरी होगी। इसे लेकर शुक्रवार को इस रूट पर 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से रेलगाड़ी का स्पीड ट्रायल रन किया गया।

बता दें कि इस स्पीड ट्रायल ट्रेन में रेल इंजन के अलावा 4 एलएचबी कोच लगे हैं। जिसमें रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के अलावा पूर्व मध्य रेलवे के जीएम और धनबाद रेल मंडल के अधिकारी शामिल रहे। इसके साथ ही रेल टेक्नीशियन और धनबाद रेल मंडल के अधिकारी भी इस ट्रायल रन में शामिल हुए। इसके अलावा कोडरमा स्टेशन अधीक्षक विकास कुमार, आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के साथ-साथ कई रेलवे पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कोडरमा स्टेशन पर ट्रायल रन को लेकर जहां एक ओर रेलवे ट्रैक्स को ट्रायल रन से पहले दुरुस्त किया गया। वहीं स्पीड ट्रायल ट्रेन के गुजरने तक रेल पुलिस भी प्लेटफार्म पर सुरक्षा को लेकर तैनात दिखे। वहीं इस ट्रायल रन को लेकर रेल कर्मी भी काफी उत्साहित नजर आए।

बता दें कि वर्तमान में इस रूट पर 125 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। भारतीय रेलवे स्पीड ट्रेनों के परिचालन से पहले अपने ट्रैक को दुरुस्त करने में लगी है। इसके साथ ही रेलवे लाइन पर कोई मवेशी न आए इसके लिए रेलवे ट्रैक्स के दोनों किनारे बाउंड्री वाल भी कराया गया है। जिससे आने वाले दिनों मे ट्रेनों की गति बढ़ाई जाये ताकि यात्रियों को समय की बचत हो सके और किसी प्रकार की अनहोनी से भी बचा जा सके।

धनबाद में भी ट्रेन का सफल ट्रायल

डीडीयू-गया-धनबाद रेलखंड पर तेज रफ्तार ट्रेन संचालन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस रूट पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया, जिसे निरीक्षण यान के माध्यम से ट्रायल किया गया। इस ट्रायल के दौरान रेलवे के कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। विशेष रूप से हाजीपुर जोन के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। परीक्षण के लिए आरडीएसओ की टीम ने भी मौजूद रहे।आरडीएसओ द्वारा किए गए सफल परीक्षण के बाद अब इस रेलखंड पर 160 किमी प्रति घंटे की गति से नियमित ट्रेन संचालन की अनुमति के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बोकारो की घटना पर उठी उच्चस्तरीय जांच की मांग, जेएमएम कहा- ये पूरी तरह इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट

बोकारो, एजेंसी। यहां बोकारो स्टील प्लांट में नौकरी की मांग कर रहे विस्थापित युवकों पर हुए लाठीचार्ज और उस दौरान एक युवक की मौत के बाद हुई हिंसा पर सियासत शुरू हो गई है। एक युवक की मौत के बाद बोकारो बंद के दौरान भी शहर में हिंसा होती रही और कई गाड़ियों में आग लगा दी गई। बोकारो की बिगड़ रही स्थिति पर राजनीति के दलों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

बीजेपी मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करने का अधिकार है मगर किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जब कानून का रक्षक ही कानून हाथ में ले ले तो यह बेहद ही दुखदायी है। उन्होंने सरकार से इसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी लोगों पर कारवाई की मांग की है।

विपक्ष के सवालों पर पलटवार करने में जुटा सत्ता पक्ष

बोकारो हिंसा मामले में विपक्ष के द्वारा उठाए जा रहे सवाल पर पलटवार करते हुए सत्तारूढ़ दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कहा है कि यदि सेंट्रल फोर्सज के द्वारा संयम बरता जाता तो इस तरह की घटना नहीं होती। पार्टी प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट है जिसमें नियोजन को लेकर विस्थापित आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने स्थिति नियंत्रित होने का दावा करते हुए कहा कि इससे उन्हें सबक लेना चाहिए जो केंद्रीय सुरक्षा बलों को डिप्यूट करते हैं उन्हें कैसे कदम उठाया जाए इसकी ट्रेनिंन देना चाहिये।बोकारो बंद के दौरान हुई हिंसा को लोगों का रिएक्शन बताते हुए सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यदि बीएसएल टेक्टफुली काम करता तो ऐसी घटना नहीं होती। मगर उनकी ना समझी के कारण इतनी बड़ी घटना घटित हो गई।

क्या पैसा डबल हो जाएगा मंईयां सम्मान योजना पर हेमंत सोरेन ने खुद बताई सच्चाई

हजारीबाग, एजेंसी। झामुमो के 46 वां स्थापना दिवस समारोह के बहाने झामुमो ने शक्ति प्रदर्शन किया। हजारीबाग के जिला स्कूल मैदान में आयोजित समारोह में उमड़ी हजारों की भीड़ का देख गदगद सीएम हेमंत सोरेन ने भाजपा पर सीधा हमला बोला। वहीं हेमंत सोरेन ने इस दौरान मंईयां सम्मान योजना को लेकर महिलाओं को सावधान भी किया।हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव के दौरान उसे जेल नहीं भेजते तो विधानसभा की तरह भाजपा को लोकसभा में भी सीटें खोजनी पड़ती।

भाजपा के 17 साल के शासन पर तंज कसा और कहा कि राज्य में लोग भूख, बेरोजगारी, पलायन तथा भ्रष्टाचार से परेशान थे। वर्ष 2019 में और 2024 ने भाजपा सरकार को लोगों ने उखाड़ फेंका, आने वाले दिनों में भी उन्हें राज्य में सत्ता नसीब नहीं होगी। झारखंड आंदोलनकारियों को स्मरण करते हुए सीएम ने अपने पिता शिबू सोरेन, स्व। बिनोद बिहारी महतो, स्व। निर्मल महतो के योगदान को याद किया।

हेमंत सोरेन ने कहा कि अलग राज्य के लिए 40 से अधिक वर्षो तक संघर्ष किया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं का सिंदूर उजड़ गया, सैकड़ों शहीद हुए । राज्य अलग हुआ और झारखंड के लोगों में खुशी की लहर दौड़ी की अब विकास होगा, परंतु 17 सालों में केवल विनाश हुआ, लोग लूटने में लगे रहे। केंद्र पर तंज करते हुए कहा कि 40 प्रतिशत खनिज संपदा है।परंतु यहां के मूलवासी रोजगार के लिए देश के बाहर जा रहे है और बाहरी राज कर रहे है। मंईयां योजना पर बोलते हुए कहा कि जो लोग योजना का लाभ दिलाने के लिए पैसे मांगने आए उसे खदेड़ दे।

नामकुम थाना के दारोगा रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, एसीबी ने की कारवाई

रांची, एजेंसी। एंटी करप्शन ब्यूरो ने नामकुम थाना के दारोगा को गिरफ्तार किया है। एसीबी के द्वारा रिश्वतखोर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में एंटी करप्शन ब्यूरो रांची की टीम के द्वारा नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एक केस को मैनेज करने के नाम पर दरोगा 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। एंट्री करप्शन ब्यूरो के द्वारा दरोगा की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है।

क्या है पूरा मामला : राजधानी में एक और सब इंस्पेक्टर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले कोतवाली थाने के एक सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। ताजा मामला रांची के नामकुम थाने का है। एसीबी ने नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को एक केस को मैनेज करने के नाम पर पीड़ित से 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी लगातार एक लाख रुपए की डिमांड कर रहा था : एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया है कि आशीष यादव नाम के व्यक्ति ने ब्यूरो में यह शिकायत की थी कि उनकी एक लड़की के साथ सगाई हुई थी, लेकिन किसी कारणवश सगाई टूट गई। इस दौरान पंचों के माध्यम से सभी सामान का आदान-प्रदान हो गया था। पूर्व में मामले को लेकर नामकुम थाने में लड़की के परिजनों के द्वारा भी नामकुम थाने में कांड संख्या 262/24 दर्ज करवाया गया था। कांड के अनुसंधानकर्ता चंद्रदीप प्रसाद थे। मामले को लेकर पीड़ित ने माननीय न्यायालय से जमानत भी ले ली थी। लेकिन केस को मैनेज करने के नाम पर चंद्रदीप प्रसाद एक लाख रुपए की लगातार डिमांड कर रहा था।

तंग आकर एसीबी में की शिकायत : केस मैनेज करने को लेकर लगातार आशीष कुमार यादव को आईओ चंद्रदीप प्रसाद के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। इसके बाद आशीष यादव ने एंटी करप्शन ब्यूरो के पास लिखित शिकायत दी। जांच के बाद मामला सही पाया गया और आरोपी को रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए पकड़ने के लिए एक टीम तैयार कर शुक्रवार को नामकुम थाना भेजा गया। जहां से पीड़ित के द्वारा दारोगा को एसीबी के द्वारा दिए गए 30 हजार रूपये देते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस साल कब पड़ रही है राम नवमी? पूजा से लेकर राम दरबार स्थापना तक का शुभ मुहूर्त और महत्व

राम नवमी हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है, जो भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में विशेष महत्व रखती है। इस दिन भगवान श्रीराम की पूजा करने से भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

राम नवमी हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है, जो भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में विशेष महत्व रखती है। इस दिन भगवान श्रीराम की पूजा की जाती है और उनके आदर्शों, मर्यादा, वीरता और धर्म के प्रति उनकी निष्ठा को श्रद्धापूर्वक सम्मानित किया जाता है। राम नवमी भारतीय संस्कृति और परंपरा में अत्यधिक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें श्रद्धालु भगवान श्रीराम के गुणों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करते हैं। मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीराम की पूजा करने से भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है और जीवन के संकट दूर होते हैं। साथ ही, इस दिन विशेष रूप से मां दुर्गा के नौवें रूप सिद्धिदात्री की भी पूजा की जाती है जिन्हें सुख, समृद्धि और सभी बाधाओं से मुक्ति देने वाली माना जाता है। राम नवमी का पर्व श्रद्धा और भक्ति से मनाया जाता है।

राम नवमी 2025 कब है?

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 5 अप्रैल, शनिवार के दिन, शाम 7 बजकर 26 मिनट से होगा। वहीं, इसका समापन 6 अप्रैल, रविवार के दिन शाम 7 बजकर 22 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, इस वर्ष राम नवमी का पर्व 6 अप्रैल को मनाया जाएगा।

राम नवमी 2025 पूजा का शुभ मुहूर्त पंचांग और ज्योतिष गणना के आधार पर, राम नवमी के दिन सूर्योदय का समय सुबह 6 बजकर 18 मिनट से है और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 40 मिनट पर होगा। राम नवमी की पूजा का शुभ मुहूर्त 6 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 8 मिनट से शुरू होगा और दोपहर 1 बजकर 39 मिनट पर पूजा का मुहूर्त समाप्त हो जाएगा। वहीं, राम नवमी का मध्याह्न मुहूर्त सुबह 11 बजकर 7 मिनट से लेकर से दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। इस समय में भगवान श्रीराम की पूजा और आराधना करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

राम दरबार का शुभ मुहूर्त

राम नवमी के दिन राम दरबार लगाने का बहुत महत्व माना जाता है। इस दन राम दरबार लगाने से घर में सुख-समृद्धि का वास तो होता ही है, साथ ही पारिवारिक शांति स्थापित होती है। गृह क्लेश दूर होता है और घर के सदस्यों में आपसी प्रेम बढ़ता है। इसके अलावा, राम नवमी के दिन राम दरबार लगाने से आध्यात्मिक उन्नति होती है और घर के लोग भक्ति की ओर बढ़ते हैं।

राम नवमी 2025 महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने त्रेतायुग में राम के रूप में अवतार लिया था। वह चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अयोध्या में राजा दशरथ के बड़े पुत्र के रूप में उत्पन्न हुए थे। प्रभु राम का अवतार लंका के राजा रावण के वध, अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ था। हर वर्ष चैत्र शुक्ल नवमी को राम नवमी मनाई जाती है, जब रामलला का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

तारणहार है राम का नाम

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव। राम परम शक्ति हैं। प्रभु श्रीराम के द्रोहियों को शायद ही यह मालूम है कि वे अपने आसपास नर्क का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए यह चिंता छोड़ दो कि कौन प्रभु श्रीराम का अपमान करता है और कौन सुनता है। कौन जपता है और कौन नहीं जपता है।

कहते हैं कि प्रभु श्रीरा राम का नाम राम से भी बड़ा है। राम राम जपने से कई लोगों को मोक्ष प्राप्त हो गया। राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं। राम से पहले भी राम का नाम था। प्राचीन काल में राम ईश्वर के लिए संबोधित होता था।

राम या मार

राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

राम नाम कहने का अर्थ

- एक बार राम कहा तो संबोधन हुआ। राजस्थान में कहते हैं राम सा। आपके सारे दु:ख हरने वाला सिर्फ एकमात्र नाम है- 'हे राम।'
- दो बार राम कहा तो अभिवादन हुआ। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कहते हैं राम राम।
- तीन बार राम कहा तो संवेदना हुई। जैसे 'ये क्या हुआ राम राम राम।'
- चार बार राम कहा तो भजन हुआ।

राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादूदयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। श्रीराम-श्रीराम जपते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं।

जीवन रक्षक नाम

प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग ध्वनि विज्ञान से परिचित हैं वे जानते हैं कि 'राम' शब्द की महिमा अपरम्पार है। जब हम 'राम' कहते हैं तो हवा या रेत पर एक विशेष आकृति का निर्माण होता है। उसी तरह चित्त में भी विशेष लय आने लगती है। जब व्यक्ति लगातार 'राम' जप करता रहता है तो रोम-रोम में प्रभु श्रीराम बस जाते हैं। उसके आसपास सुरक्षा का एक मंडल बनना तय समझो। प्रभु श्रीराम के नाम का असर जबरदस्त होता है।

मानव रूप में पूजे जाने वाले पहले देवता

भगवान राम के जन्म के पीछे ढेर सारी दिलचस्प पौराणिक कथाएं सुनने को मिलती हैं। कहा जाता है कि हरि विष्णु के सातवें अवतार श्री राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था इसलिए मानव रूप में पूजे जाने वाले ये पहले देवता हैं।

11 हजार वर्षों तक किया राज

बहुत बार हमारे मन में सवाल आते हैं कि राम राज्य को आखिर राम राज्य ही क्यों कहा जाता है? बता दें कि पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान राम ने ग्यारह हजार वर्षों तक राज किया था इसलिए उस युग को राम राज्य नाम से जाना जाता है।
राम को सूर्यवंशी क्यों कहा जाता है? माना जाता है कि भगवान राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था। पौराणिक कथा और धर्म शास्त्रों के मुताबिक इस वंश की स्थापना भगवान सूर्य के पुत्र राजा इक्ष्वाकु के द्वारा की गई थी। इसी कारण भगवान राम को सूर्यवंशी कहा जाता है।

राम को सूर्यवंशी क्यों कहा जाता है?

माना जाता है कि भगवान राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था। पौराणिक कथा और धर्म शास्त्रों के मुताबिक इस वंश की स्थापना भगवान सूर्य के पुत्र राजा इक्ष्वाकु के द्वारा की गई थी। इसी कारण भगवान राम को सूर्यवंशी कहा जाता है।

चौपाई

हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता?
रामचंद्र के चरित सुहाए।
कलप कोटि लगि जाहिं न गाए?

भावार्थ

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

भगवान राम के बारे में 10 बातें

संसार के पालनहार भगवान श्री विष्णु जी ने धर्म की स्थापना और अधर्म के समूल नाश के लिए त्रेतायुग में धरती पर मनुष्य रूप में अवतार लिया था। भगवान विष्णु के अनेक अवतारों में से एक अवतार त्रेता युग में सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या नगरी में सूर्यवंश कुल के राजा दशरथ की महारानी कौशल्या के गर्भ से चैत्र मास की नवमी तिथि अभिजीत मुहूर्त में राम जी ने जन्म लिया था। तब से लेकर आज तक युगों-युगों से चैत्र मास की नवमी तिथि को रामनवमी पर्व मनाया जाता है।

- भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है।
- उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है।
- राम जी स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण है जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं।
- भगवान राम समाज में व्याप्त ऊंच नीच के भेदभाव को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का उदाहरण इसे समझने के लिये सर्वोत्तम है।
- राम जी वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले हैं।
- भगवान श्री राम विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले परम पराक्रमी है।
- रामनवमी के दिन धूमधाम के साथ राम जन्मोत्सव मनाते हुए श्रीरामचरित मानस ग्रंथ का पाठ करना चाहिए।
- श्रीराम लला को मावा एवं पंजरी का भोग अति प्रिय है।
- श्रीरामनवमी के दिन उपवास रखने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और ज्ञात-अज्ञात सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है।

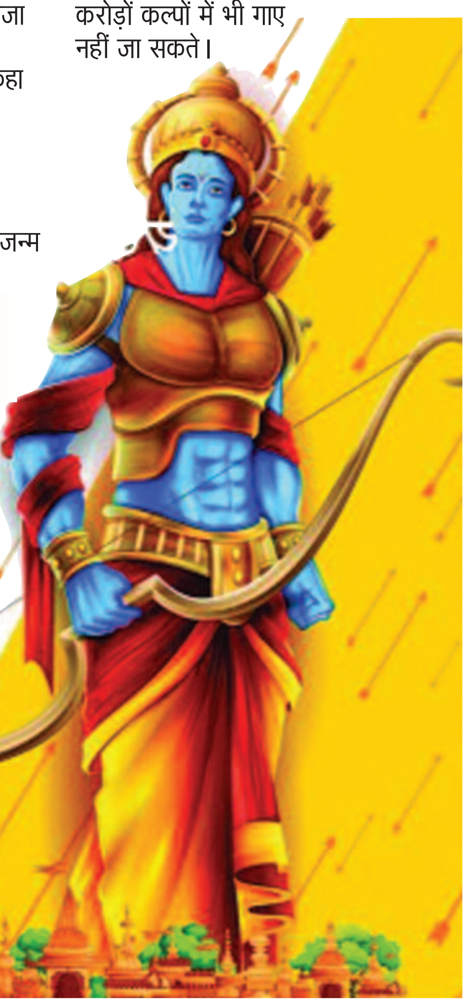

सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए राम नवमी के दिन क्या करें और किन चीजों को करने से बचें?

राम नवमी हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह त्योहार भगवान राम के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्हें भगवान विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, राम नवमी चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। आपको बता दें, राम नवमी का पावन पर्व 6 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन, भक्त भगवान राम की पूजा करते हैं, भजन गाते हैं और रामायण का पाठ करते हैं। मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं और भगवान राम की शोभा यात्रा निकाली जाती है। अब ऐसे में जो जातक इस दिन प्रभु श्रीराम की पूजा कर रहे हैं। उन्हें क्या करना चाहिए और किन चीजों को करने से बचना चाहिए।

राम नवमी के दिन क्या करें?

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- भगवान श्रीराम की भक्ति और उपवास का संकल्प लें।
- मन में शुद्ध विचार रखें और दिनभर सात्विक भोजन ही सेवन करें।
- राम नवमी पर श्री हनुमान जी की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।
- हनुमान चालीसा, बजरंग बाण और सुंदरकांड का पाठ करें।
- हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और सिंदूर व चने-गुड़ का भोग लगाएं।
- इस दिन जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र का दान करें।
- दिनभर श्रीराम नाम का जप करें और ध्यान में राम दरबार का स्मरण करें।
- इस दिन भगवान श्रीराम को पंचामृत स्नान कराकर विशेष भोग लगाएं।
- राम नवमी के दिन प्रभु श्रीराम के मंत्रों का जाप जरूर करें।

राम नवमी के दिन किन चीजों को करने से बचें?

- राम नवमी के दिन प्याज, लहसुन, मांस और मदिरा जैसे तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन सात्विक भोजन करना चाहिए।
- इस दिन किसी भी व्यक्ति का अपमान नहीं करना चाहिए और न ही अपशब्द बोलना चाहिए।
- राम नवमी के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए और सत्य का पालन करना चाहिए।
- इस दिन किसी के साथ झगड़ा करने से बचना चाहिए।
- इस दिन पर घर पर आए किसी भी व्यक्ति को खाली हाथ नहीं लौटाना चाहिए। इससे प्रभु श्रीराम नाराज हो सकते हैं। इसलिए इन बातों का विशेष ध्यान रखें।

चैत्र नवरात्रि में नवमी के दिन कन्या पूजन का क्या है शुभ मुहूर्त?

नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व और स्थान माना गया है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन करने से मां दुर्गा की असीम करिअप बनी रहती है और घर में सुख-समृद्धि का वास स्थापित होता है। कन्या पूजन करने की शुभ तिथि अष्टमी और नवमी है। नवरात्रि की अष्टमी या नवमी पर किया गया कन्या पूजन 1000 अखंड यज्ञों के बराबर का पुण्य प्रदान करता है। आइये जानते हैं कि इस साल चैत्र नवरात्रि में कब होगा कन्या पूजन, क्या है कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त और इस दौरान कौन से नियमों का पालन करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि में नवमी तिथि 6 अप्रैल, रविवार को पड़ रही है, जो नवरात्रि का आखिरी दिन माना जाता है। इस दिन कई लोग कन्या पूजन करते हैं और उन्हें भोज कराते हैं। कन्या पूजन के साथ-साथ एक बटुक भैरव को भी पूजा में शामिल किया जाता है। पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 05 अप्रैल 2025 को रात 07.26 बजे से शुरू होकर 06 अप्रैल 2025 को रात 07.22 बजे तक रहेगी। इस दिन कन्या पूजन का अभिजित मुहूर्त 11.58 बजे से लेकर 12.49 बजे तक रहेगा, जिसे पूजा के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि में कन्या पूजन के नियम

कन्या पूजन करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि पूजा में भाग लेने वाली कन्याओं की आयु 2 से 10 वर्ष के बीच हो और उनकी संख्या 9 हो। शास्त्रों के अनुसार, कन्या पूजन से एक दिन पहले सभी कन्याओं को उनके घर जाकर निमंत्रण देना चाहिए। कन्या पूजन के दौरान एक बटुक को भी अवश्य बुलाना चाहिए, यानी एक लड़का बटुक के रूप में कन्याओं के साथ होना चाहिए, और उसकी पूजा करके उसे भी भोजन कराना चाहिए। कन्या पूजन करते समय यह सुनिश्चित करें कि कन्याओं और बटुक को भोजन खिलाने की जिद न करें, बल्कि उन्हें उनके मन से जितना खाएं उतना ही खाने दें। पूजा के दौरान कन्याओं और बटुक को घर की पूर्व दिशा में बैठाना चाहिए। पूजा समाप्त होने के बाद, कन्याओं और बटुक को दक्षिणा अवश्य दें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि दक्षिणा में किसी वस्तु को दें, धन नहीं देना चाहिए क्योंकि यह अशुभ माना जाता है।

ट्रंप के टैरिफ से अरबपति भी हिल गए

18 लाख करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक फैसले से दुनिया के अमीरों को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप ने कुछ चीजों पर टैक्स बढ़ाने का एलान किया। इससे दुनिया भर के बाजार में गिरावट आई। इस वजह से दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों को एक ही दिन में 208 अरब डॉलर (करीब 18 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो गया।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, ऐसा 13 सालों में चौथी बार हुआ है जब अमीरों को इतना बड़ा नुकसान हुआ है। इससे पहले कोरोना महामारी के समय में अमीरों को इतना नुकसान हुआ था। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स की लिस्ट के मुताबिक 50 फीसदी से ज्यादा अमीरों को नुकसान हुआ है। हर अमीर को औसतन 3.3 फीसदी का नुकसान हुआ। अमेरिका के अमीरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

लेकिन इनकी संपत्ति में आई तेजी– मेक्सिको के कार्लोस स्लिम उन कुछ अमीरों में से थे जिन पर टैक्स का कोई असर नहीं हुआ। मेक्सिको के शेयर बाजार में 0.5 फीसदी की बढ़त हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेक्सिको को टैक्स में छूट दी गई थी। इससे स्लिम की नेटवर्थ करीब 4 फीसदी बढ़कर 85.5 अरब डॉलर हो गई।

किसे कितना नुकसान हुआ

मार्क जुकरबर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मेटा के शेयर 9 फीसदी गिर गए। इससे उनकी संपत्ति 17.9 अरब डॉलर कम हो गई। मेटा के शेयर पहले बहुत बढ़ रहे थे, लेकिन फरवरी के मध्य से 28 फीसदी गिर गए। अमेजन के शेयर भी 9 फीसदी गिर गए। ऐसा अप्रैल 2022 के बाद पहली बार हुआ। इससे जेफ बेजोस की संपत्ति 15.9 अरब डॉलर कम हो गई।

अमेजन के शेयर फरवरी के मुकाबले 25 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं।

टेस्ला के सीइओ एलन मस्क को भी 11 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। इस साल उन्हें कुल 110 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। टेस्ला के शेयर 5.5 फीसदी गिर गए।

अमेरिका के बाजार का बुरा हाल– अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैक्स और चीन के जवाब से दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट आई। वॉल स्ट्रीट को भारी नुकसान हुआ। रु×क्क500 फ्यूचर्स 3.6 फीसदी गिर गया, डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 3.4 फीसदी गिरकर 40,000 से नीचे आ गया। वहीं दूसरी और नैस्डैक फ्यूचर्स 4 फीसदी गिर गया।

5 लाख करोड़ स्वाहा...

● अमेरिकी शेयर मार्केट में आई तबाही, ट्रंप बोले- थोड़ा दर्द तो सहना पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर मार्केट में शुक्रवार को भी लगातार दूसरे दिन भारी तबाही आई। निवेशकों के दो दिन में 5 लाख करोड़ डॉलर डूब गए। शुक्रवार को नैस्डैक में भारी गिरावट आई और यह लाल निशान पर आ गया। डाउ जोन्स 5.5 गिर गया। एस×पी 500 करीब 6 नीचे चला गया। नैस्डैक 5.8 गिरकर बेयर मार्केट में चला गया। बेयर मार्केट का मतलब है जब बाजार में कीमतें लगातार गिरती रहती हैं। ट्रंप के टैरिफ ने दुनिया को हिला कर रख दिया है। इसके जवाब में चीन ने शुक्रवार को सभी अमेरिकी आयातों पर 34 अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की। इससे वैश्विक ट्रेड वॉर और भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। निवेशकों को डर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्रेड वॉर दुनिया को मंदी की ओर धकेल देगा। वहीं दूसरी ओर इस गिरावट को लेकर ट्रंप ने कहा कि कुछ दर्द तो सहना पड़ेगा।

कोरोना के बाद की बड़ी गिरावट

वैश्विक शेयर बाजारों में यह साल 2020 में महामारी के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। लेकिन 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के विपरीत, वॉल स्ट्रीट में मौजूदा उथल-पुथल सरकार द्वारा लिए गए स्पष्ट नीतिगत फैसलों का परिणाम है। सरकार को पता था कि इस तरह के परिणाम संभव हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इस सप्ताह निवेशकों ने कुछ ऐसे आर्थिक और बाजार आंकड़े देखे हैं जो लंबे समय से नहीं देखे गए थे।

ब्याज दरों में कमी की उम्मीद टूटी!

निवेशकों को उम्मीद थी कि फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ब्याज दरों में कटौती का संकेत देकर मदद करेंगे। ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर ऐसा करने के लिए उन पर दबाव डाला था। लेकिन पॉवेल ने विकास और मुद्रास्फीति दोनों के लिए उच्च जोखिम पर जोर दिया। इससे निवेशकों की उम्मीदें टूट गईं। फेडरल रिजर्व अमेरिका का केंद्रीय बैंक है। पॉवेल के इस वेट एंड वॉच के रवैये से वॉल स्ट्रीट और भी हिल गया। एस×पी 500 में 6 की गिरावट आई, जिससे इस इंडेक्स की मार्केट कैप में सिर्फ दो दिनों में 5 लाख करोड़ डॉलर की गिरावट आई। एस×पी 500 अमेरिका की 500 सबसे बड़ी कंपनियों का इंडेक्स है।

100 वर्षों में सबसे अधिक अमेरिकी टैरिफ।

जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों के अनुसार, यह 1968 के बाद सबसे बड़ी अमेरिकी टैक्स वृद्धि है। उनका कहना है कि अब वैश्विक मंदी की संभावना अधिक है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिकी इक्विटी मार्केट कैप में 8 लाख करोड़ डॉलर की गिरावट आई है, जिसमें से 5 लाख करोड़ डॉलर सिर्फ दो दिनों में कम हो गए। इक्विटी मार्केट कैप का मतलब है शेयर बाजार में कंपनियों का कुल मूल्य।

रिलायंस कम्युनिकेशंस ने दिया कर्ज का ब्यौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज संकट से जूझ रही अनिल अंबानी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर लंबे समय से रेंग रहे हैं। इनमें से एक कंपनी– रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) भी है। इस कंपनी के शेयर में शुक्रवार को बड़ी

गिरावट आई और बीएसई पर 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लग गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 1.62 के भाव पर आ गया था। हालांकि, कुछ देर बाद रिकवरी आई लेकिन अब भी शेयर की ट्रेडिंग लाल निशान पर है। पिछले छह महीनों में अनिल अंबानी की अगुवाई वाली इस कंपनी के शेयरों में 23 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल में पेनी स्टॉक में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें कि करीब 16 साल पहले यह शेयर 700 रुपये के पार कारोबार कर रहा था। अक्टूबर 2024 में शेयर की कीमत 2.59 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। पिछले साल मई महीने में शेयर 1.47 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

कंपनी पर कितना कर्ज

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस ने 31 मार्च 2025 तक कुल 40413 करोड़ रुपये के कर्ज की सूचना दी। इसमें शार्ट और लॉन्ग टर्म के लोन शामिल हैं। हालांकि, इस इसमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण पर 30,116 करोड़ की अर्जित ब्याज राशि शामिल नहीं है और न ही इसमें गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) पर 3361 करोड़ रुपये का ब्याज शामिल किया गया है।

क्या कहा कंपनी ने

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज से कहा– रिलायंस कम्युनिकेशंस दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के प्रावधानों के अनुसार कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। इसलिए कंपनी के ऋणों का समाधान संहिता के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। 28 जून 2019 से कंपनी के मामलों, कारोबार और परिसंपत्तियों का प्रबंधन राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, मुंबई बेंच द्वारा नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन नानावटी द्वारा किया जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल की शक्तियां उनके पास हैं।

शादियों के सीजन से पहले सोने के गिरे भाव, 4 दिन में 7877 रुपये सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन से पहले सोने–चांदी के भाव में आज भी नरमी है। सोने के भाव ऑल टाइम हाई 91115 रुपये प्रति 10 ग्राम से फिसलकर अब 90310 रुपये पर आ गया है। आज इसके रेट में 35 रुपये की कमी

दर्ज की जा रही है। वहीं, चांदी 2900 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 93057 रुपये पर आ गई है। 29 मार्च से चार कारोबारी दिनों में चांदी 7877 रुपये सस्ती हुई है। जबकि, सोना 1148 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड अब 89948 रुपये पर आ गया है। 22 कैरेट गोल्ड भी सस्ता होकर 82624 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 18 कैरेट सोने का भाव आज 67733 रुपये है।

ब्रुनेई के सुल्तान के पास करीब 7,000 कारें

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े अमीर अभी एलन मस्क हैं। इस समय उनकी संपत्ति 322 अरब डॉलर की है। भारत के सबसे बड़े अमीर मुकेश अंबानी हैं। उनके बाद गौतम अडानी का स्थान है। लेकिन इन सबों के पास भी इतनी रॉल्स रायस रोल्स रॉयस कार नहीं होगी, जितनी कि इनके पास है। जी हां, हम बात कर रहे हैं ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह की। वह दुनिया में कार संग्रह करने वालों में सबसे आगे हैं। उनके पास लगभग 7,000 कारें हैं। इनमें से 600 कारें तो रॉल्स रायस हैं।

क्या है इनका नेटवर्थ

ब्रूनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह के पास जितनी कारें हैं, उन सभी कारों की कीमत 5 अरब डॉलर से भी ज्यादा है। इस समय उनका नेटवर्थ करीब 30 अरब डॉलर बताया जाता है। सुल्तान का कार कलेक्शन बेहद गुप्त है। उनके करीबी दोस्त ही उनकी कारों का कलेक्शन देख पाते हैं। सुल्तान के भाई, प्रिंस जेफरी भी कारों के शौकीन हैं।

600 तो रोल्स रॉयस है

सुल्तान के कलेक्शन में 600 रोल्स रॉयस कारें हैं। माना जाता है कि रोल्स रॉयस के प्रति उनके प्यार ने कार बनाने वाली कंपनी को मुश्किल समय में सहारा दिया था। 1990 के दशक की शुरुआत और मध्य में बिकने वाली लगभग आधी रोल्स रॉयस कारें सुल्तान और उनके परिवार ने खरीदी थीं। कई कारें तो खास तौर पर बनवाई गई थीं।

पोस्ट आफिस की शानदार स्कीम: 1 लाख निवेश पर मिलेगा 44,903 का फिक्स्ड रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र भारतीय डाक विभाग द्वारा संचालित एक लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश योजना है। यह योजना उन निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो कम जोखिम के साथ निश्चित और गारंटीड रिटर्न चाहते हैं।

अगर आप भी ऐसे निवेशक हैं, तो एनएससी 2025 में निवेश करने से आपको पांच साल के भीतर अच्छा फायदा मिल सकता है।

क्या है एनएससी 2025 में निवेश का लाभ– अगर आप एनएससी (राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र) में 1,00,000 का निवेश करते हैं, तो 7.7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के हिसाब से मैच्योरिटी पर आपको 1,44,903 मिलेंगे। यदि आप 2,00,000 का निवेश करते हैं, तो मैच्योरिटी पर यह राशि 2,89,807 हो जाएगी। और अगर आप 5,00,000 का निवेश करते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको 7,24,517 मिलेंगे। यह सुनिश्चित और सुरक्षित निवेश विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो अच्छे रिटर्न के साथ अपने पैसे को सुरक्षित रखना चाहते हैं।

वेदांता लिमिटेड का शेयर 9 प्रतिशत गिरा

एक्सपर्ट ने 450 रुपये का टारगेट प्राइस, क्या आपने लगाया है पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन दिग्गज कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। उसमें वेदांता लिमिटेड एक है। कंपनी के शेयरों का भाव करीब 9.40 प्रतिशत तक लुढ़क गया था। यह गिरावट तब देखने को मिली है जब बीते वित्त वर्ष के सभी चारों क्वार्टर में जिंक और एल्युमिनियम का रिकॉर्ड प्रोडक्शन हुआ है। वेदांता लिमिटेड के शेयरों में गिरावट के पीछे की वजह ओवरआल मार्केट का लुढ़कना है। बीएसई में कंपनी के शेयर 435.65 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में 9.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 398.20 रुपये के लेवल पर पर पहुंच गया। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 301.70 रुपये है। कंपनी का 52 वीक हाई लेवल 527 रुपये है।

वेदांता का बिजनेस अपडेट रहा शानदार– कंपनी ने अपने बिजनेस अपडेट में कहा है कि एल्युमिनियम और जिंक प्रोडक्शन ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा। इसके अलावा आयरन ओर, स्टील, ऑयल एंड गैस और पावर सेल्स में तेज ग्रोथ देखने को मिला है। हालांकि, चौथी तिमाही में यह एक प्रतिशत बढ़ा है। एल्युमिनियम का वार्षिक प्रोडक्शन सालाना आधार पर 2 प्रतिशत के इजाफे के साथ 2,421 केटी रहा। वहीं, जिंक का प्रोडक्शन 1095 केटी रहा है।

कंपनी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर क्या है एक्सपर्ट्स की राय – एवीपी रिसर्च महेश एम ओझा कहते हैं, टेक्निकल चार्ट पर यह स्टॉक 450 रुपये तक पहुंचता हुआ दिखाई दे रहा है। वेदांता लिमिटेड का सपोर्ट 400 रुपये से 390 रुपये प्रति शेयर है। इस स्टॉक का शॉर्ट टर्म टारगेट प्राइस 450 रुपये है। वहीं, स्टॉप लॉस 388 रुपये के लेवल है। पिछले कुछ महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है। 6 महीने में यह स्टॉक 21 प्रतिशत टूटा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 29 प्रतिशत बढ़ा है।

सरकार ने 18 हजार करोड़+ की रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी, महाराष्ट्र-ओडिशा-छत्तीसगढ़ को लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रेल और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय की 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनकी कुल लागत 18,658 करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली परियोजनाओं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क करीब 1247 किलोमीटर बढ़ जाएगा।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि परियोजनाओं में संबलपुर-जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा पांचवीं व छठी लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं।

मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से सुगम होगा रेल परिचालन– मंत्री वैष्णव ने बताया कि रेलवे लाइन विस्तार से गतिशीलता में सुधार होगा।

बच्ची की खुशी के लिए न्यूयॉर्क में लगाया नींबू-पानी और डोसा का स्टॉल

आज महीने में 15000 डालर कमाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह सक्सेस स्टोरी है एक बच्ची के नींबू पानी के स्टॉल से लेकर एक सफल पॉप-अप रेस्टोरेंट तक पहुंचने की। कर्नाटक के रहने वाले राजू दंपत्ति ने अपनी बेटी के लिए अमेरिका के न्यूयॉर्क में सफलता की कहानी रच दी। अब वह हर महीने 15,000 डॉलर कमाते हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि अगर आपके अंदर जुनून है, आप में मुश्किलों से लड़ने की हिम्मत है और आप अच्छा डोसा बना सकते हैं, तो आप किसी भी छोटे से विचार को एक बड़ी सफलता में बदल सकते हैं।

बच्ची की खुशी के लिए शुरू किया स्टॉल– कर्नाटक के बेंगलुरु में रहने वाली श्वेता राजू और उनके पति वेंकट राजू इस समय अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहते थे। श्वेता सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जबकि उनके पति वेंकट रियल एस्टेट क्षेत्र के वकील हैं। उनकी एक छोटी सी, छह साल की, बच्ची भी है। उन्होंने साल 2021 में अपनी बच्ची महाति की खुशी के लिए फोर्ट ग्रीन पार्क में ग्रीन मार्केट के पास एक नींबू पानी और मसाला डोसा का स्टॉल लगाया। दरअसल, श्वेता को खाना बनाना बहुत पसंद है। लोगों को उनका डोसा बहुत पसंद आया। लोगों ने जैसे ही डोसा खाया, उनकी आंखें चमक उठीं। जल्द ही, राजू परिवार डोसे के लिए मशहूर हो गया।

एक अवसर के रूप में देखा– श्वेता और वेंकट पहले घर से तैयार कर मसाला डोसा ले जाते थे। लेकिन डिमांड बढ़ने पर उन्होंने एक महीने बाद पार्क में ही गैस स्टोव लगा दिया। वे वहीं पर डोसा बनाने लगे। इससे डोसे की मांग और भी बढ़ गई। सितंबर 2021 तक, हर शनिवार को सैकड़ों ग्राहक लाइन में लगने लगे। वे घंटों तक डोसे के बनने का इंतज़ार करते थे। डोसे की कीमत .10 थी। राजू दंपत्ति ने इसे एक अवसर के रूप में देखा। उन्होंने अपने काम को आगे बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने पार्क के स्टॉल से एक कमर्शियल किचन में अपना काम शुरू कर दिया। अब वे वहीं पर खाना बनाते हैं। आज, ब्रुकलिन करी प्रोजेक्ट हर महीने लंच का आयोजन करता है। वे पॉप-अप सर्विस भी जारी रखते हैं। अब डोसे की कीमत .1 है। वे हर हफ्ते .700 रॉ मैटेरियल पर खर्च करते हैं। इसके अलावा, वे अपने चार पार्ट-टाइम कर्मचारियों को भी पैसे देते हैं। उन्हें हर महीने .3,800 किराया देना होता है। तब भी महीने में 15,000 डॉलर की आमदनी हो जाती है। इतनी मेहनत के बाद भी, उन्हें खुशी है कि उनका खाना लोगों को जोड़ता है। वेंकट बताते हैं, हमारे स्टॉल पर दुनिया भर के लोग मिलते हैं।

भारत के खाने की याद सताती थी

श्वेता और वेंकट के लिए खाना सिर्फ एक काम नहीं है। ये भारत की अलग-अलग तरह की खाने की संस्कृति को फिर से बनाने का एक तरीका है। वे 2016 में अमेरिका आ गए थे। उन्हें भारत के खाने की बहुत याद आती थी। वेंकट ने बताया, अमेरिका में सभी भारतीय रेस्टोरेंट का स्वाद एक जैसा होता है। भारत में, हर राज्य का स्वाद अलग होता है। हमें वो बहुत याद आता है। वह कहती हैं जब मैं यहां आई, तो सबसे मुश्किल था अकेले खाना खाना। भारत में, हम सब साथ में खाना खाते हैं। मुझे लगता था कि कुछ कमी है। इसलिए, उन्होंने अपने पड़ोसियों को चाय और बिस्किट के लिए बुलाना शुरू कर दिया। उन्हें पता भी नहीं था कि ये ब्रुकलिन करी प्रोजेक्ट की शुरुआत है।

इस समय उनका पॉप-अप रेस्टोरेंट शनिवार को सुबह 10-30 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुलता है। राजू दंपत्ति ब्रुकलिन करी प्रोजेक्ट को एक फुल-टाइम रेस्टोरेंट बनाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से पैसे जुटाने के लिए एक अभियान भी शुरू किया है। वे एक स्थायी जगह की तलाश कर रहे हैं। श्वेता कहती हैं, जब आप खाना बनाते हैं और उसे बांटते हैं, तो आप दिखाते हैं कि आप परवाह करते हैं। खाना लोगों को जोड़ता है, संस्कृतियों को मिलाता है और समुदाय बनाता है।

जिस जगह ली थी ट्रेनिंग, अब उसी स्टेडियम में जलवा बिखेरेंगे नीरज चोपड़ा; 24 मई को होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा उसी स्थान पर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं, जहां कभी वह ट्रेनिंग किया करते थे। नीरज वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे जो 24 मई को हरियाणा के पंचकुला में आयोजित होगी। पानीपत के करीब खांद्रा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय नीरज ने 2012 से 2015 तक पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में ही ट्रेनिंग ली थी और अब वह इसी स्थान पर खेलते नजर आएंगे। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में नीरज भी शामिल हैं। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश की एथलेटिक्स छवि में सुधार आएगा। सागू ने कहा, यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। वह इस टूर्नामेंट को अपने गृह राज्य में करवाना चाहते होंगे। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है। नीरज ने हाल में दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी को अपना कोच बनाया है और उनके 16 मई को दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपना सत्र शुरू करने की उम्मीद है। पंचकुला में होने वाला यह टूर्नामेंट इस सत्र में नीरज की दूसरी प्रतियोगिता होगी। नीरज ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे।

विश्व मुक्केबाजी कप: क्लीनिकल अभिनाश जामवाल 65 किग्रा के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनाश जामवाल ने इटली के जियानलुइगी मलंगा के खिलाफ लगभग परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को फोज डू इगुआकु में विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 के 65 किग्रा के फाइनल में प्रवेश किया। 22 वर्षीय भारतीय ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपने लंबे कद और एथलेटिसिज्म का इस्तेमाल किया, लेकिन जब उनके प्रतिद्वंद्वी का गार्ड नीचे था, तो उन्होंने तेजी से हमला किया और 5-0 के सर्वसम्मत फैसले को हासिल किया। पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 दिया, जिसमें सभी पांच जजों ने पहले और तीसरे राउंड को भारतीय के नाम सर्वसम्मति से दिया। मलंगा को पहले राउंड में ही उल्टी गिनती का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें बाकी मुकाबले में बैकफुट पर रहना पड़ा।इससे पहले हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में फ्रांसीसी ओलंपियन माकन ट्रोरे को हराकर विश्व मुक्केबाजी कप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे।भारतीय मुक्केबाज ने ओलंपियन ट्रोरे के खिलाफ शुरुआत में सतर्क रुख अपनाया, लेकिन हमेशा पलटवार की तलाश में रहे।इस रणनीति ने हितेश को मुकाबले की गति को नियंत्रित करने में मदद की और हालांकि उन्हें तीसरे और अंतिम दौर में पेनल्टी मिली, लेकिन अंतिम परिणाम पर कभी संदेह नहीं हुआ। जहां हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से होगा, वहीं जामवाल का मुकाबला स्थानीय पसंदीदा यूरी रीस से होगा। हालांकि, 55 किग्रा वर्ग में मनीष राठौर का अभियान सेमीफाइनल चरण में समाप्त हो गया, क्योंकि वह कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टीनबेक से 0-5 से हार गए। यह विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एलीट मुक्केबाजी कार्यक्रम है जिसमें भारतीय मुक्केबाज भाग ले रहे हैं

100 मैच की उपलब्धि हासिल करने वाले आठवें एमआई खिलाड़ी बने सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार को मैच से पहले एक विशेष कस्टमाइज्ड जर्सी भेंट की गई

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2025 में हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस की अगुवाई करने के बाद, सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में एक और खास उपलब्धि हासिल की। सूर्यकुमार मुंबई इंडियंस के लिए 100 आईपीएल मैच खेलने वाले सिर्फ आठवें खिलाड़ी बन गए। यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य खिलाड़ी रोहित शर्मा, कीरोन पोलार्ड, हरभजन सिंह, लसिथ मलिंगा, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अंबाती रायुडू हैं। इस अवसर पर, सूर्यकुमार को मैच से पहले एक विशेष कस्टमाइज्ड जर्सी भेंट की गई। 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल के दो बार विजेता रहे सूर्यकुमार आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए 3000 रन बनाने वाले केवल तीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

उनका 35.53 का औसत और 148.91 का स्ट्राइक रेट दोनों ही टूर्नामेंट के इतिहास में एमआई के शीर्ष 10 रन बनाने वालों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ हैं। वह 2022 और 2025 सीजन के लिए मेगा नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किये गए खिलाड़ियों में से एक थे। सूर्यकुमार के दो शतक आईपीएल में रोहित शर्मा के साथ मुंबई इंडियंस के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। वह पिछले कुछ सालों में सलामी बल्लेबाज, नंबर 3 और नंबर 4 की विभिन्न भूमिकाओं में टीम की बल्लेबाजी लाइन अप का मुख्य आधार रहे हैं।

हार के लिए किसी पर ऊंगली नहीं उठाना चाहता : हार्दिक

नई दिल्ली, एजेंसी। एकाना स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स से 12 रन से हार झेलनी पड़ी। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या क्रीज पर थे लेकिन वह टीम की जीत के लिए उपयोगी रन नहीं बना पाए। सीजन की तीसरी हार झेलने के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा कि हारना निराशाजनक होता है। अगर हम मैदान पर ईमानदारी से कहें तो हमने उस विकेट पर 10-15 रन अतिरिक्त दे दिए। मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है। मुझे नहीं लगता कि मेरे पास बहुत सारे विकल्प हैं। मैं विकेट को पढ़ने की कोशिश करता हूं और कुछ स्मार्ट विकल्प आजमाता हूं। मैं विकेट लेने की कोशिश नहीं करता। मैं डॉट बॉल फेंकने की कोशिश करता हूं और बल्लेबाजों को जोखिम लेने देता हूं। हार्दिक ने कहा कि मुझे लगता है कि एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम कम पड़ गए। हम एक टीम के रूप में जीतते हैं। हम एक टीम के रूप में हारते हैं। मैं किसी पर उंगली नहीं उठाना चाहता। पूरी बल्लेबाजी इकाई को जिम्मेदारी लेनी होगी। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। यह स्पष्ट था। हमें कुछ हिट की जरूरत थी। क्रिकेट में ऐसे दिन आते हैं। जब आप कोशिश करते हैं लेकिन वह सफल नहीं होता। बस अच्छा क्रिकेट खेलें। मैं इसे सरल रखना पसंद करता हूं। बेहतर फैसले लें। गेंदबाजी में होशियार रहें। बल्लेबाजी में मौके लें। थोड़ी आक्रामकता के साथ सरल क्रिकेट खेलें। चूंकि यह एक लंबा टूर्नामेंट है, कुछ जीत के बाद हम लय में आ सकते हैं।

रोहित के न खेलने से दर्शक हुए निराश, नीले रंग से पटा रहा मैदान

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल में शुक्रवार को मुंबई इंडियन और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच मैच हुआ। मैच में दर्शकों ने मुंबई इंडियन को भरपूर समर्थन दिया। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का दूसरा मैच दर्शकों के लिए पूरी तरह से पैसा वसूल रहा। दर्शकों ने मैदान पर चौकों छक्कों की बारिश देखी। हार्दिक का पंजा देखा तो सूर्या की फिफ्टी का आनंद भी उठाया। कांटे की टक्कर में लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों मुंबई इंडियंस की मात से वे रोमांचित भी हुए।

मैच की शुरुआत से ही चौके छक्कों की बारिश ने क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह भरा। रोहित के न खेलने से क्रिकेट प्रेमी थोड़े निराश हुए पर मार्श, माकरम, मिलर और बाद सूर्या और नमन धीर की परियों ने उनका भरपूर मनोरंजन किया। नीलामी में यूपी के खिलाड़ियों के बजाय लखनऊ सुपर जायंट्स टीम प्रबंधन ने बाहरी खिलाडियों पर भरोसा जताया। इसका नतीजा यह हुआ कि मैदान पर मुंबई इंडियंस की टीम को भी लखनऊ जैसा समर्थन मिल रहा था। इससे मैच मैदान के अन्दर और बाहर दोनों ही जगह बराबरी का रहा। आखिर में लखनऊ ने मुंबई को मात दी तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैच के दौरान खुद को स्क्रीन पर देखने की चाहत में दर्शक तरह तरह के जतन करते दिखे। कोई गाने पर डांस कर रहा था, किसी ने शरीर को पेंट कर रखा था। इन सबके बीच दर्शकों का एक वर्ग ऐसा भी था जो कैमरामैन को ओ चाचा, ओ चाचा कहकर आकर्षित करने की कोशिश करता दिखा।

नीले रंग में रंग गया हरा मैदान

लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमों की जर्सी का रंग नीला है। हरे भरे घास के मैदान पर दोनों टीम के खिलाड़ी नीली जर्सी में थे तो दर्शक भी दोनों टीमों के समर्थन में नीले रंग से सराबोर थे। ऐसे में इकाना क्रिकेट स्टेडियम पूरी तरह से नीला नजर आने लगा।

गुजरात के खिलाफ सनराइजर्स को अपनी आक्रामकता पर करना होगा आत्ममंथन

हैदराबाद, एजेंसी। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है और गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई। सनराइजर्स ने अगले तीन मैच में 190, 163 और 120 रन बनाए। उसे इन तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स की टीम अभी अंक तालिका में 10वें और अंतिम स्थान पर है तथा ऐसा लग रहा है कि विश्व चैंपियन पैट कमिंस की अगुवाई वाली यह टीम बिखर रही है।

पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स की टीम आक्रामकता और अति आक्रामकता के बीच संतुलन बनाने में नाकाम रही है तथा उसके अधिकतर बल्लेबाजों ने अपने विकेट इनाम में दिए हैं। सनराइजर्स के लिए राहत की बात यह है कि उसकी टीम को गुजरात के खिलाफ अगला मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलना है जहां अभी तक रन वर्षा होती रही है। सनराइजर्स को अगर हार की हैट्रिक पूरी करने के बाद वापसी करना है तो उसके मुख्य बल्लेबाजों ट्रैविस हेड, इशान किशन, हेनरिक क्लासेन को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

सनराइजर्स के लिए गेंदबाजी भी चिंता का विषय लगती है क्योंकि युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी (चार विकेट) को छोड़कर कोई भी गेंदबाज खतरनाक नहीं दिख रहा है। कप्तान कमिंस की इकोनॉमी रेट 12.30 रन प्रति ओवर है, जबकि उनके देश के एडम ज़म्पा की इकोनॉमी रेट 11.75 है। अनुभवी मोहम्मद शमी भी महंगे रहे। उन्होंने अभी तक प्रति ओवर 10 रन दिए हैं।

जहां तक गुजरात टाइटंस का सवाल है तो ऐसा लग रहा है कि उसकी टीम ने अपनी लय हासिल कर ली है। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ धमाकेदार जीत से उसकी टीम का मनोबल बढ़ा होगा। इस मैच में जोस बटलर ने शानदार अर्धशतक लगाया था। बटलर, कप्तान शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन की मौजूदगी में उसका शीर्ष क्रम काफी मजबूत नजर आता है। इन तीनों बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद है कि वह अपनी इस फॉर्म को आगे भी जारी रखेंगे।

गुजरात टाइटंस के मुख्य तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा हालांकि निजी कारणों से स्वदेश लौट गए हैं और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम उनकी भरपाई किस तरह से करती है। उनकी जगह ग्लेन फिलिप्स को लिया जा सकता है जिनकी मौजूदगी में गुजरात की बल्लेबाजी और फील्डिंग को भी मजबूती मिलेगी।

ऋषभ पंत, दिग्वेश सिंह पर नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया गया

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत और युवा गेंदबाज दिग्वेश सिंह को आईपीएल के नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया गया। यह मैच शुक्रवार रात भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेला गया था, जिसमें लखनऊ ने 12 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, क्योंकि उनकी टीम ने मैच के दौरान तय समय में ओवर पूरे नहीं किए। यह इस सीजन में लखनऊ का पहला ऐसा मामला था। नियमों के अनुसार, टीम को समय पर ओवर खत्म करने होते हैं और कप्तान होने के नाते पंत को इसकी जिम्मेदारी दी गई। आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, पर आईपीएल 2025 के मैच नंबर 16 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया गया है। वहीं, 23 साल के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर और बड़ा जुर्माना लगा। उन्हें मैच फीस का 50 प्रतिशत हिस्सा देना होगा। उन पर यह जुर्माना गलत भाषा का प्रयोग करने के कारण लगाया गया, जो आईपीएल के नियम 2.5 का उल्लंघन है। यह इस सीजन में उनका दूसरा ऐसा मामला था। इससे पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ 1 अप्रैल को भी उन्हें चेतावनी दी गई थी और अब उनके नाम कुल तीन डिमेरिट पॉइंट्स हो गए हैं।

इस युग में द्रविड़ सर जैसे अविश्वसनीय इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात: जायसवाल

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मेंटर (मार्गदर्शक) राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अपने करियर पर द्रविड़ के प्रभाव के बारे में बात करते हुए पूर्व भारतीय दिग्गज को बेहतरीन इंसान करार दिया।

जायसवाल ने 'जियोहॉटस्टार से कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। इस युग में राहुल द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का होना सौभाग्य की बात है। इस खब्बू बल्लेबाज ने विस्तार से बताया कि द्रविड़ एक इंसान के तौर पर किस तरह अलग हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर है। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है। वह खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरते हैं, उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे सही जगह पर हैं। वह सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जो व्यक्तिगत करियर और पूरी टीम दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

द्रविड़ के साथ कोई भी बातचीत सीखने का अवसर है। जायसवाल ने कहा, 'उनके करीब रहना सीखने का अवसर है। यह सीख न केवल क्रिकेट के बारे में, बल्कि मैदान के बाहर उनके व्यवहार के बारे में भी है। उन्होंने वर्षों से इतनी शालीनता और संयम दिखाया है। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।

करियर के मोर्चे पर जायसवाल ने पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मुंबई से गोवा जाने का फैसला किया है और अगले सत्र में रणजी ट्रॉफी में उनकी

कप्तानी करने के लिए तैयार हैं (जब भी उन्हें खेलने का समय मिलेगा)। जायसवाल के इस फैसले का कारण हालांकि पता नहीं चल पाया है, लेकिन ऐसी अफवाहें हैं कि मुंबई की टीम के सीनियर सदस्यों के साथ उनके कुछ मतभेद हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर बहुत भरोसा है। अपने खेल, अपने विचारों और अपनी क्षमताओं पर यकीन है। अपने करियर को आगे ले जाना आखिरकार मेरी ही जिम्मेदारी है और मुझे पता है कि मुझे कितनी मेहनत करनी है। क्रिकेट में बहुत त्याग की जरूरत होती है, लेकिन लोग तभी इस पर ध्यान देते हैं जब आप कुछ हासिल करते हैं या अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि सफल होने के लिए मुझे हर पहलू पर कड़ी मेहनत करने की जरूरत है अब वह चाहे अभ्यास हो, प्रशिक्षण हो, आहार हो या मानसिकता हो।

हर्षवर्धन कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बात की

अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। इसमें सलमान खान, शाहरुख खान, अजय देवगन और अक्षय कुमार समेत इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को लेकर बात की गई। वायरल पोस्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री अब खत्म हो रही है।

बजट पर नहीं अच्छे कंटेंट पर ध्यान दें मेकर्स

हर्षवर्धन कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में हो रहे बदलाव पर एक लंबा पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा कि अब मेकर्स को भारी बजट वाली फिल्में बनाने से ज्यादा अच्छा कंटेंट बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एक्टर ने कुछ नया और हटकर करने की बात कही। साथ ही कहा कि बॉलीवुड सिर्फ बड़े कलाकारों के होने से नहीं है। प्रोड्यूसर्स को थोड़ा रिस्क लेना चाहिए।

दरअसल, एक निशांत नाम के यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा था, 'बॉलीवुड अब खत्म हो गया है। सलमान खान अब एक्टिंग नहीं करना चाहते, आमिर के पास कोई फिल्म नहीं है, अक्षय फिल्में कर रहे हैं लेकिन कोई फायदा नहीं है, शाहरुख दो साल में एक फिल्म करते हैं। अजय कुछ बड़ा कर सकते हैं लेकिन वह सेफ खेल रहे हैं। लगता है कि रणबीर कपूर अकेले एक्टर हैं जो स्ट्रगल कर रहे हैं।'

इंडस्ट्री में एक ही फॉर्मूला से फिल्में बन रही हैं

इसका जवाब देते हुए हर्षवर्धन कपूर ने कहा, 'बॉलीवुड सिर्फ उन्हीं कलाकारों के लिए नहीं है जो सालों से यहां काम कर रहे हैं और एक ही फॉर्मूला से फिल्में बना रहे हैं।' हर्षवर्धन ने अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए लिखा, 'हमने फिल्म थार को 20 करोड़ रुपए में बनाया, यह उन फिल्मों से काफी बेहतर है जिनका बजट इस फिल्म से 2-3 गुना ज्यादा है। ऐसा क्यों? क्योंकि सारा पैसा फिल्म बनाने में लगा, न कि किसी और काम में। यह 2025 है लेकिन जिन फिल्मों को हरी झंडी मिलती है, वह 1980 के दशक की फिल्में हैं और वह भी अच्छी फिल्में नहीं हैं।' हर्षवर्धन के हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर बात करने और इंडस्ट्री की समझ को देखकर यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं।

तुमको मेरी कसम में दिखेगी सपने पूरे होने की कहानी

अदा शर्मा अपनी फिल्म तुमको मेरी कसम को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में रिलीज हुई है। उन्होंने इसमें निभाए गए दिल छू लेने वाले सीन्स से लेकर अपने सह-कलाकार अनुपम खेर आदि के बारे में खास बातचीत की...

फिल्म तुमको मेरी कसम में सबसे दिल छू लेने वाला सीन कौन सा था?

फिल्म में एक सीन है, जिसमें मैं मरने से पहले अपने पति को कसम खिलाती हूं कि तुझको मेरी कसम है। अभी उदयपुर में प्रीमियर हुआ था, तब थिएटर में इस सीन को देखकर सभी लोग रो रहे थे। लोगों का कहना था कि मैंने द केरला स्टोरी से भी ज्यादा इसमें रुलाया है। लोगों का ऐसा कहना मेरे लिए एक बड़ी प्रशंसा है। फिल्म की एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जो लोग बड़े सपने देखने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह तो पूरा ही नहीं होगा। ऐसे लोगों को यह फिल्म हौसला देगी। कभी-कभी आपको अपने आप पर भरोसा नहीं होता है लेकिन किसी और का इतना भरोसा होता है कि आप उस भरोसे से आगे बढ़ते हैं, यह फिल्म उसी के बारे में है।

रियल लाइफ में क्या कोई बड़ा सपना भी है, जो पूरा करना है?

मैं सपने नहीं देखती हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि अगर मैं सपने देखूंगी, तो उनमें उलझ कर रह जाऊंगी। मेरे साथ ऐसा हुआ है कि मैं छोटे सपने देखती हूं और परिणाम बड़ा मिलता है। जब मैंने बॉलीवुड में प्रवेश किया था, तब मैंने सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि मैं हॉरर फिल्म से शुरुआत करूंगी।

आपकी एक्टिंग को लेकर कहा जाता है कि यह बनावटी नहीं है?

यह मेरे लिए बहुत बड़ी प्रशंसा है। मैं ऐसी ही रहना चाहती हूं, क्योंकि मैं ऐसी ही हूं। मेरा मानना है कि लोगों ने मुझे हीरोइन बनाया है। अगर मैं चुलबुला वीडियो बनाती हूं, तो मैं पूरे दिन खुश नहीं रह सकती। जब मैं अच्छे मूड में होती हूं, तब मैं वीडियो बनाती हूं। जब मैं किसी बात पर रो रही होती हूं, तो मुझे याद नहीं रहता कि मेरे पास फोन है भी या नहीं। क्योंकि वास्तविक जीवन में मैं दुखी हूं और रो रही हूं। जब कोई गंभीर बात बता रहा होता है, तो मैं बड़ी गंभीरता से सुनने और समझने की कोशिश करती हूं। मैं हर समय अलग-अलग होती हूं। निजी जीवन में मैं कोशिश करती हूं कि और अच्छी इंसान बनूं। प्रोफेशनली मैं ऐसा परफॉर्मेंस देने की कोशिश करती हूं कि दर्शकों को लगे कि मैं एक्टिंग नहीं कर रही हूं, बल्कि वास्तव में कर रही हूं।

हाल ही में अनुपम खेर ने आपकी बहुत तारीफ की। क्या कहेंगी?

फिल्म देखने के बाद अनुपम जी ने मेरी तारीफ में तीन-चार मिनट का वॉइस नोट भेजा था। वह मुझे इतना अच्छा लगा कि मैंने उसे चार-पांच बार सुना। इतने बड़े कलाकार जब इतनी सारी खूबियां बताते हैं, तो यह बहुत उत्साहजनक लगता है। उन्होंने अच्छी सलाह दी कि मार्केटिंग आजकल प्रतिभा से बढ़कर है। प्रतिभा जरूरी है, लेकिन उसे बाजार में लाना बहुत जरूरी है और वह आपको नहीं आता है। मैंने स्वीकार किया कि यह बात बिल्कुल सही है।

कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है फिल्म निर्माण

अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी का मानना है कि फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए कलात्मकता की आवश्यकता होती है। जैकी का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री कला और कॉमर्स के संगम पर काम करती है। फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए ऐसी कलात्मकता की आवश्यकता होती है जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो। रचनात्मकता के साथ फिल्म बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के साथ-साथ आवश्यक निवेश और प्रोजेक्ट के संभावित रिटर्न दोनों का आकलन करना जरूरी है। आज सभी निर्माताओं को एक स्थायी मॉडल बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

जैकी ने कहा, मैं अपने अवलोकनों के आधार पर यह कह सकता हूं कि इंडस्ट्री ने हमेशा बुरे दौर से वापसी की है। इसमें परिस्थिति के साथ उतार-चढ़ाव हैं, जिससे टेलीविजन युग और पायरेसी संकट से उबरने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, कोविड-19 के बाद और वर्तमान ओटीटी युग के दौरान भी हमारे पास ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में रही हैं। फिर भी मुझे दृढ़ता से लगता है कि आज, अनिश्चितताओं से निपटने और सफलता को बनाए रखने के लिए, रचनात्मकता पर नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। आखिरकार, यही सिनेमा का दिल है और अप्रत्याशित समय में लंबे समय तक की स्थिरता के लिए यह महत्वपूर्ण है।

जैकी ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सिनेमा में आपको रचनात्मक आकांक्षा और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाना होता है और आज पहले से कहीं ज्यादा हमें नए विचारों और मजबूत आर्थिक व्यावहारिकता की भी जरूरत है। वित्तीय वास्तविकताओं के साथ कलात्मक दृष्टि को संतुलित करना असफलताओं पर काबू पाने और समय के साथ विकसित होने की कुंजी है। इंडस्ट्री की वर्तमान स्थिति पर विचार करते हुए जैकी ने कहा, आज, हमें निस्संदेह अपनी विषय-वस्तु को फिर से समायोजित करने की आवश्यकता है, क्योंकि दर्शक, दुनिया भर में हाई क्वालिटी वाली सिनेमा देख चुके हैं, वे औसत दर्जे को स्वीकार नहीं करते हैं। असफलता एक ऐसी सच्चाई है, जिस पर समझौता नहीं किया जा सकता और यह प्रोडक्शन हाउस तथा व्यक्तिगत करियर को भी प्रभावित करती है। फिर भी, हमारी इंडस्ट्री असफलताओं से बचती रही है और मुझे आशा है कि आगे भी ऐसा ही होता रहेगा।

क्या अल्लू अर्जुन के साथ पर्दे पर दिखेंगी प्रियंका चोपड़ा

निर्देशक एटली ने बॉलीवुड में अपनी फिल्म जवान से धमाल मचाया था। इस फिल्म में शाहरुख खान और नयनतारा लीड रोल में थे। अब खबर है कि एटली अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। इस बार उनके हीरो अल्लू अर्जुन होंगे। फैंस यह जानने को बेताब हैं कि फिल्म की हीरोइन कौन होगी। तेलुगु सिनेमा की एक रिपोर्ट के मुताबिक एटली अपनी इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं।

प्रियंका को फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं एटली

रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि अल्लू अर्जुन की इस फिल्म में कई एक्ट्रेसेस होंगी। अब ताजा खबर है कि एटली प्रियंका को एक अहम किरदार के लिए कास्ट करना चाहते हैं। प्रियंका इन दिनों तेलुगु सिनेमा में डेब्यू की तैयारी में हैं। वह एस एस राजामौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग के दो शेड्यूल पूरे हो चुके हैं।

राजामौली की फिल्म में दिखेंगी प्रियंका

एस एस राजामौली की यह फिल्म तेलुगु में बन रही है, लेकिन बाहुबली और आरआरआर की तरह यह भी पैन-इंडिया रिलीज होगी। प्रियंका के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह उनकी भारतीय सिनेमा में लंबे समय बाद वापसी होगी।

क्या पर्दे पर दिखेगी अल्लू-प्रियंका की जोड़ी?

वहीं, एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म भी पैन-इंडिया स्तर पर बनेगी। पुष्पा फ्रेंचाइजी के बाद अल्लू अर्जुन की फैन फॉलोइंग पूरे देश में बढ़ गई है। अगर प्रियंका इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ नजर आईं तो यह जोड़ी बड़े पर्दे पर कमाल कर सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा हैं प्रियंका

प्रियंका के पास राजामौली की फिल्म के अलावा दो अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स भी हैं। वह हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी। इसके साथ ही उनके पास वेब सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन भी है, लेकिन खबर है कि इसकी रिलीज में देरी हो रही है।

खाकी में रोल के लिए डायरेक्टर को खुद किया मैसेज

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपनी ब्यूटी और दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। वह हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में दिखी हैं। इसमें उन्होंने एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया है। सीरीज में उनके किरदार को काफी सराहा जा रहा है। इसे लेकर और उनके प्रोफेशनल वर्क पर हुई खास बातचीत...

खाकी... में किस तरह से आप आईं और क्या-क्या तैयारियां रही हैं?

मुझे खाकी- द बंगाल चैप्टर की स्टोरी बहुत पसंद आई। मैंने इसका पहला पार्ट भी देखा हुआ है। यह एक इंटरेस्टिंग और रोमांचक कहानी है। मुझे अपने किरदार में काफी पॉसिबिलिटी दिखीं। साथ ही मैं डायरेक्टर नीरज पांडे के साथ भी काम करना चाहती थी। मैंने खुद उन्हें मैसेज किया था। करीब एक महीने के अंदर-अंदर उनका रिप्लाई आया। उन्होंने कहा कि मैं सीरीज को डायरेक्ट नहीं कर रहा हूं। बस शो रनर हूं। ओटीटी पर काम करना मेरे लिए एक नया एक्सपीरियंस था। यहां आर्टिस्ट्स को अपनी टैलेंट दिखाने के लिए काफी मौके मिलते हैं। उम्मीद है कि दर्शकों को खाकी- द बंगाल चैप्टर पसंद आएगी।

सीरीज में आपका लुक बड़ा सिंपल सा दिख रहा है। क्या कोई रेफरेंस भी लिया आपने?

मेरे किरदार का इमोशनल ग्राफ ऐसा था कि मुझे लगा कि इसमें परफॉर्म करने के लिए चांस मिलेगा। ये उतना ग्लैमरस रोल तो है नहीं। रेफरेंस तो मेकर्स का बहुत क्लियर था। राइटिंग लेवल पर ही सब विधिवत डिटेल्स थीं। मेरा किरदार एक पॉलिटिशियन का है। जो पढ़ी-लिखी है और कॉलेज से ही राजनीति में एक्टिव है। ऐसा नहीं है कि कोई बहुत ही रूरल पॉलिटिकल लीडर है। ऐसे में इस किरदार के लिए हमें एक गरिमामय प्रेजेंस दिखानी थी। मेरे किरदार में एक ग्रेस भी है। वह टिपिकल लीडर जैसी नहीं है। मैंने इस किरदार को वैसा नहीं रखा कि वह बहुत चीख रही हो या नारेबाजी कर रही हो। हां, यह जरूर रखा कि उसकी कंट्रोल परफॉर्मेंस रहेगी। इससे ज्यादा जरूरी ये था कि उसकी इमोशनल लाइफ कैसी चल रही है।

जब ऐसे सशक्त किरदार प्ले करने को मिलते हैं तो अपनी तरफ से क्या इनपुट रखती हैं कि किरदार बड़ा बन जाए?

हर कैरेक्टर की एक एनर्जी और औरा होता है। मुझे लगता है कि उसको ध्यान में रख के एक बॉडी लैंग्वेज तय करनी पड़ती है। देखना पड़ता है कि कैसे बैठे, कैसे किसी से बात करे। हर वो चीज जो किरदार की दिनचर्या या उसकी आदत में होती है उसे अपने अंदर लाना पड़ता है। इसमें एक सीन है, जब मेरा किरदार अपने प्यार से मिलने जाती है। वही एक जगह है, जहां पर वह टूट जाती है।

नीरज पांडे के साथ काम का कैसा अनुभव रहा? आपको आगे के लिए कुछ अप्रोच किया गया है?

ये बात मीडिया ही उन्हें कहे तो अच्छा है कि आप कब चित्रांगदा को वापस अपने प्रोजेक्ट में ले रहे हैं। नीरज जी को मेरा काम पसंद आया है। उन्होंने ये बात मुझे खुद बोली है। नीरज जी कलाकारों को अपने साथ दोबारा काम करने का मौका देते हैं। अब देखती हूं कि मुझे वो कब किसी दूसरे प्रोजेक्ट का ऑफर देते हैं।

आप लंबे समय से इंडस्ट्री में हैं। फिर फिल्मी लाइनअप इतना कम क्यों है?

ये बात सही है कि मेरा फिल्मी लाइनअप कम है। मैं काफी सोच-विचार के बाद ही किसी प्रोजेक्ट के लिए हामी भरती हूं। मतलब अच्छे फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहती हूं। जब आप सिर्फ अच्छे ऑफर चुनते हैं, ऐसे में कहीं न कहीं एक ब्रेक या गैप तो आता है। फिर मैंने काफी टाइम बीच में ब्रेक भी लिया है। साल 2005 के बाद 7 साल का गैप रहा था। मैं इंडस्ट्री में नहीं थी, फिर वापस से 2010 में काम शुरू किया। तो बीच-बीच में ऐसा होता रहा है। मैंने पर्सनल लाइफ को भी प्राथमिकता दी है।

ऑन सेट क्या इम्प्रोवाइजेशन होता रहा?

बिल्कुल, इम्प्रोवाइजेशन होता है। एक सीन था, जब मेरा किरदार हॉस्पिटल में अपने प्यार से मिलने आती है। डॉक्टर्स कहते हैं कि ज्यादा देर लाइफ सपोर्ट पर उन्हें नहीं रख सकते तो वह डिसीजन लेती है। वह मेरा फेवरेट सीन था। उस समय सीन में कोई डायलॉग नहीं थे। उसे अपने से ही प्ले करना था।

ओटीटी और फिल्म्स में क्या अंतर लगता है? किस पर काम के दौरान अधिक इंजॉय करती हैं?

मुझे लगता है लॉन्ग फॉर्मेट के अंदर राइटिंग बहुत ज्यादा बहुत ज्यादा अच्छी होनी चाहिए। ओटीटी काफी चैलेंजिंग है। यहां लंबा समय मिलता है कहानी को कहने के लिए। फिल्मों में तो गाने होते हैं, स्लो मोशन एक्शन सीन भी होते हैं पर यहां प्योर कंटेंट ही चल रहा होता है। यहां डिफरेंट तरह की कहानियां कही जाती हैं। कुछ चीजें ओटीटी के लिए सही हैं तो कुछ थिएटर्स के लिए ही सही होती हैं। ओटीटी पर कोई लिमिट नहीं होता है और कोई गिमिक्स भी आप यूज नहीं कर सकते। आप गाने, डांस आइटम गाना नहीं यूज कर सकते हैं।